राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात, संस्करण शुक्रवार,11सितम्बर 2020 वर्ष–3, अंक –226 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राम मंदिर ट्रस्ट के खाते से क्लोन चेक के जरिए लाखों रुपए निकाले

अयोध्या। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के खाते से क्लोन चेक के माध्यम से लाखों रुपए निकाले जाने का खुलासा हुआ है। इसकी जानकारी ट्रस्ट को तब मिली जब यह कोशिश तीसरी बार बड़ी रकम निकालने के लिए की गई। इस बारे में जानकारी मिलते ही ट्रस्ट की ओर से अयोध्या कोतवाली में मुकदमा दर्ज करा दिया गया है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के क्लोन चेक के माध्यम से लखनऊ के एक बैंक से एक सितंबर को ढाई लाख और उसके दो दिन बाद साढ़े तीन लाख रुपये निकाल लिए गए। जब नौ लाख 86 हजार का तीसरा चेक लखनऊ के ही बैंक ऑफ बड़ौदा में लगाया गया तो वेरीफिकेशन के लिए ट्रस्ट को लखनऊ से बैंक का कॉल आया। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने इस तरह के किसी भी भुगतान की जानकारी से इनकार कर दिया। बाद में ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने जब अपना खाता खंगाला तो छह लाख रुपए निकाले जाने की जानकारी मिली। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने इस मामले की जानकारी अयोध्या पुलिस को देते हुए मुकदमा दर्ज कराया। अयोध्या के पुलिस क्षेत्राधिकारी राजेश राय ने बुधवार देर रात बताया कि राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से जानकारी दी गई थी एक ढाई लाख और एक साढ़े तीन लाख का फर्जी चेक लगा कर रुपये निकाल लिए गए हैं। ट्रस्ट की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू की जा रही है। उन्होंने बताया कि जांच के आधार पर आरोपियों के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जाएगी। क्षेत्राधिकारी ने बताया कि इस मामले में चेक की क्लोनिंग की गई है। कोई बड़ा गिरोह इस पूरे खेल में शामिल हो सकता है।

दिल्ली में 2 लाख के पार पहुंचा कोरोना मामलों का आंकड़ा, रिकॉर्ड संख्या में हुए टेस्ट

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना वायरस का कहर एक बार फिर लौट कर आ गया है। यहां हर रोज़ कोरोना वायरस के रिकॉर्ड मामले सामने आ रहे हैं। दिल्ली में एक दिन में होने वाले सबसे ज्यादा टेस्टों की संख्या रिपोर्ट का गई, यहां कोरोना के कुल मामलों की संख्या दो लाख के पार पहुंच गई है। भारत में इतनी बड़ी संख्या को पार करने वाला ये पहला शहर है।

2 लाख पार करना वाला पहला शहर

दिल्ली ऐसा पहला हॉट-स्पॉट शहर है जिसने कोरोना वायरस पर काबू पा लिया था लेकिन पिछले हो हफ्तों में यहां हालात बिगड़ते दिखाई दिए हैं। बुधवार को दिल्ली में 4,039 मामले सामने आए जिसके साथ ही दिल्ली में कुल मामलों की संख्या 201,174 हो गई। दिल्ली सरकार ने बुधवार को कोरोना के रिकॉर्ड संख्या में टेस्ट किए, यहां 54,517 लोगों के टेस्ट किए गए। पिछले सात दिनं में छठी बार हुआ है जब कोरोना के मामलों ने नया रिकॉर्ड बनाया है। 11,101 आरटी-पीसीआर टेस्ट को कोविड-19 के पता लगाने का सबसे बेहतर तरीका माना जाता है, दिल्ली ने आरटी-पीसीआर टेस्टों की संख्या में भी रिकॉर्ड बनाया है। पिछला रिकॉर्ड एक दिन पहले सेट किया गया था, जब दिल्ली ने 9,944 ऐसे परीक्षण किए थे। दिल्ली में बढ़ते मामलों की संख्या देखने के बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने यहां दैनिक टेस्टों की संख्या क 40 हजार तक कर देने की घोषणा की थी और कहा था कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को होम आइसोलेशन में रखा जाएगा।

मुंबई और चेन्नई की तुलना में बढ़ें मामले-बुधवार तक राजधानी दिल्ली ने मुंबई की तुलना में लगभग 40,430 अधिक संक्रमणों की सूचना दी, जिसमें संक्रमणों की दूसरी सबसे अधिक संख्या और तीसरे स्थान पर चेन्नई की तुलना में दिल्ली में 56,579 अधिक मामले हैं। कुल मिलाकर मुंबई में 160,744 और चेन्नई में बुधवार रात तक 144,595 संक्रमण हुए हैं। सभी आंकड़े उनके संबंधित राज्य अधिकारियों द्वारा जारी किए गए स्वास्थ्य बुलेटिन के अनुसार हैं। हालांकि, दिल्ली ने अपनी जनसंख्या का 100,198 मिलियन प्रति मिलियन परीक्षण किया है, जबकि महाराष्ट्र में 40,032 और तमिलनाडु में 73,252 प्रति मिलियन परीक्षण हुआ है(मुंबई और चेन्नई के अद्यतन व्यक्तिगत आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं)।

ऊंची पहाड़ियों पर मोर्चा संभालकर चीनी सेना की घेराबंदी तेज, रेजांगला में PLA से महज 300 गज की दूरी पर भारतीय जवान

नई दिल्ली। पैंगोंग इलाके में भारत एवं चीन में जारी टकराव के बीच भारतीय सेना ने रणनीतिक रूप से अहम पहाड़ियों एवं स्थानों पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने की प्रक्रिया तेज कर दी है। इसके पीछे असल मकसद चीन को इन ऊंची पहाड़ियों पर काबिज होने से रोकना है। सेना को आशंका है कि हाल में उसने जिस प्रकार से उत्तरी पैंगोंग की पहाड़ियों में मोर्चाबंदी की है, वैसे ही कोशिश चीन अन्य चोटियों पर भी कर सकता है। ऐसा एक प्रयास वह सात सितंबर को भी कर चुका है।

सेना से जुड़े सूत्रों ने कहा कि पैंगोंग लेक इलाके से चीन के पीछे नहीं हटने के बाद सेना ने अपने रूख को आक्रामक बनाया है। अब वह चीन को उसी की भाषा में जवाब देने को तैयार है। इसलिए, करीब पांच-छह ऊंची पहाड़ियों या स्थानों पर सेना ने हाल में अपनी तैनाती की है, लेकिन अभी कई ऐसी अहम रणनीतिक चोटियां हैं जिन पर चीन की निगाह हो सकती है। सेना इन पर भी अपने सैनिकों की तैनाती के लिए प्रयासरत है।

ब्रिगेडियर स्तर की बातचीत हुई

इस बीच, बुधवार को दोनों देशों की सेनाओं के बीच ब्रिगेडियर स्तर की बातचीत हुई। इसमें हालांकि, कई मुद्दों पर चर्चा हुई और सहमति भी व्यक्त की

गई, लेकिन इसका जमीन पर कोई असर नहीं हुआ। इस बातचीत का कोई ठोस नतीजा नहीं निकला।

जवान आमने-सामने डटे

सेना के सूत्रों के अनुसार रेजांगला इलाके में भारत और चीन के जवान बुधवार को भी आमने-सामने डटे हुए हैं। दोनों सेनाओं के बीच 300 गज से ज्यादा की दूरी नहीं है। हालांकि, सात सितंबर के बाद टकराव की दोबारा नौबत नहीं आई है। सेना के सूत्रों ने कहा कि चीन के करीब 40 जवान रेजांगला में भारतीय सेना के सामने खड़े हैं। जबकि नीचे बेस में करीब 7,000 जवानों के मौजूद होने की खबर है। भारतीय सेना की तैनाती इसी के अनुरूप की गई है।

लेफ्टिनेंट जनरल स्तर की वार्ता संभव-सेना के सूत्रों ने बताया कि दोनों पक्षों की तरफ से इस बात पर जोर दिया गया है कि ताजा हालात के मद्देनजर लेफ्टिनेंट जनरल स्तर की एक और वार्ता जल्द रखी जाए। दरअसल, दोनों देशों की नजर एससीओ बैठक में विदेश मंत्रियों की मुलाकात पर लगी है। इसके बाद अगले सप्ताह लेफ्टिनेंट जरनल स्तर की वार्ता होने की संभावना है।

चीन की उकसावे की कार्रवाई जारी

सरकार के सूत्रों का कहना है कि चीनी उत्तेजक कार्रवाई मंगलवार शाम 6 बजे तक जारी रही। चीनी सैनिकों ने मंगलवार को एलएसी में पूरे दिन उकसावे की कार्रवाई की है। सूत्रों का कहना है कि एलएसी पर मंगलवार को चीन की उत्तेजक कार्रवाई रेजांगला और मुखपरी चोटी के आसपास के इलाकों में थी। चीनी सेना अभी भी कॉमन क्षेत्र में बनी हुई है। हालांकि, बुधवार को कोई भी भड़काऊ कार्रवाई नहीं हुई।

आज तीन बार मिलेंगे भारत-चीन के विदेश मंत्री

सीमा पर बढ़ रहे गतिरोध के बीच, मॉस्को में गुरुवार को बार भारतीय और चीनी विदेश मंत्री तीन बार आमने-सामने होंगे। पहला मौका, एससीओ सम्मेलन के तहत विदेश मंत्रियों की बैठक होगी, दूसरे मौके पर रूसी विदेश मंत्री के साथ दोनों दोपहर के भोजन पर मिलेंगे। इसके बाद तीसरा मौका भारत और चीन की द्विपक्षीय वार्ता का होगा।

राजनाथ सिंह की मौजूदगी में सर्वधर्म पूजा के साथ राफेल की हुई वायुसेना में ग्रैंड एंट्री

अंबाला। सीमा पर तनाव के बीच आज भारतीय वायुसेना को नई ताकत मिल गई। फ्रांस से खरीदा गया बहुप्रतिक्षीत अत्याधुनिक लड़ाकू विमान राफेल आखिरकार आज औपचारिक रूप से वायु सेना के लड़ाकू विमानों के बेड़े में शामिल हो गया। अंबाला एयरबेस पर आज सुबह दस बजे से आयोजित भव्य कार्यक्रम में एयरफोर्स को 5 राफेल सौंप दिए गए। इस मौके पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के साथ फ्रांस की रक्षामंत्री भी समारोह में मौजूद हैं। हरियाणा के अंबाला स्थित वायु सेना स्टेशन में एक शानदार समारोह में यह विमान वायु सेना के गोल्डन एरो स्क्वाड्रन का हिस्सा बन गया। अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों की कमी का सामना कर रही भारतीय वायु सेना के लिए इस दिन को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि क्षेत्र में शक्ति संतुलन को बदलने की ताकत रखने वाला राफेल इसी दिन उसके लड़ाकू विमानों के बेड़े की शान बनेगा।

- रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और समकक्ष फ्लोरेंस पार्ली अंबााला एयरफोर्स स्टेशन पहुंचीं। कुछ देर में शुरू होगा राफेल को वायुसेना के बेड़े में शामिल करने का समारोह।

-राफेल में वायुसेना में एंट्री से पहले मंच सजकर तैयार है, जहां राजनाथ सिंह और फ्रांस की रक्षा मंत्री समेत कई दिग्गज मौजूद रहेंगे।

-रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और फ्रांस की रक्षा मंत्री फ्लोरेंस पार्ली अंबाला के लिए रवाना हो चुके हैं। आज अंबाला में पांच राफेल विमान वायुसेना के बेड़े में शामिल होंगे।

-पांच राफेल विमान आज औपचारिक रूप से भारतीय वायुसेना में शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए फ्रांस की रक्षा मंत्री फ्लोरेंस पार्ली दिल्ली पहुंच गई हैं। इसके बाद यहां से वह अंबाला एयरबेस जाएंगी।

● हरियाणा के अंबाला स्थित वायु सेना स्टेशन में एक शानदार समारोह में यह विमान वायु सेना के गोल्डन एरो स्क्वाड्रन का हिस्सा बन गया। अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों की कमी का सामना कर रही भारतीय वायु सेना के लिए इस दिन को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है,

-वायुसेना के बेड़े में शामिल होने के लिए तैयार पांच राफेल विमान। देखें वीडियो

-भारतीय वायुसेना में आज शामिल होने से पहले राफेल पूरी तरह से तैयार है।

-समाचार एजेंसी एएनआई ने राफेल की लेटेस्ट तस्वीर जारी की है।

वायु सेना के लिए तुरूप का इक्का माने जाने वाले पांच राफेल विमानों की पहली खेप 27 जुलाई को ही भारत आयी थी। वायु सेना ने 59 हजार करोड़ रुपये की लागत से फ्रांस से 36 राफेल लड़ाकू विमान खरीद का सौदा किया है। चार और राफेल विमानों की अगली खेप के अक्टूबर में आने की संभावना है।

और कौन-कौन होंगे मौजूद

इस समारोह में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आर के एस भदौरिया, रक्षा सचिव डॉ. अजय कुमार, डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. जी सतीश रेड्डी, रक्षा मंत्रालय और सशस्त्र बलों के कई वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित हैं।

वायुसेना की ताकत में होगा बड़ा इजाफा,आज बेड़े में शामिल होंगे राफेल

सर्वधर्म पूजा और फ्लाईपास्ट

अंबाला वायु सेना स्टेशन पर राफेल विमान का औपचारिक अनावरण पारंपरिक रूप से आयोजित सर्वधर्म पूजा के साथ किया गया। इसके बाद फ्लाई पास्ट भी होगा। इस मौके पर राफेल, स्वेदशी विमान तेजस और सारंग एयरोबेटिक टीम अपनी करतबाजी दिखायेगी। बाद में राफेल विमान को पारंपरिक तरीके से वाटर कैनन की सलामी दी जाएगी। समारोह का समापन वायुसेना के 17वें स्क्वाड्रन में राफेल विमान को विधिवत शामिल किए जाने के साथ होगा।

फ्रांस से कौन-कौन

इस अवसर पर फ्रांसीसी प्रतिनिधिमंडल का प्रतिनिधित्व भारत में फ्रांस के राजदूत इमैनुएल लेनिन, वायु सेना प्रमुख एरिक ऑटेलेट, फ्रांसीसी वायु सेना के उप प्रमुख और अन्य वरिष्ठ अधिकारी कर रहे हैं। राफेल विमान बनाने वाली डसॉल्ट एविएशन के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी एरिक ट्रैपीयर और एमबीडीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एरिक बेरांगर समेत फ्रांसीसी रक्षा उद्योग के कई अधिकारियों का एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल भी वहां मौजूद थे। आयोजन के बाद भारतीय और फ्रांसीसी प्रतिनिधिमंडल की द्विपक्षीय बैठक होगी।

कोविड-19 के मरीज विकसित कर सकते हैं फेफड़ों की ये गंभीर बीमारी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के डॉक्टरों ने व्यापक फाइब्रोसिस (फेफड़ों की बीमारी) के कारण कोविड -19 से उबरने वाले दो मरीजों के लिए लंग (फेफड़े) ट्रासप्लांट की सिफारिश की है। फाइब्रोसिस एक ऐसी स्थिति है जहां फेफड़े के ऊतक कठोर हो जाते हैं और संक्रमण के कारण फेफड़ों में घाव हो जाता है। कोरोना के मरीज का पहला ट्रांसप्लांट चेन्नई में अगस्त के महीने में हुआ था। ज्यादातर लोग कोविड -19 से पूरी तरह से ठीक हो जाते हैं, जबकि कुछ लोग लगातार सांस लेने में दिक्कत, थकान, दिल की धड़कन, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल जैसी समस्याएं और कई हफ्तों तक मांसपेशियों और जोड़ों के दर्द जैसी समस्याओं की शिकायत करते हैं। कुछ लोग दिल की बीमारी और कुछ लोग सांस लेने में दिक्कत जैसी बड़ी समस्याओं से भी जूझते हुए दिखाई देते हैं।

हृदय संबंधी असामान्यताएं और स्ट्रोक-AIIMS के निदेशक डॉक्टर रणदीप गुलेरिया ने साप्ताहिक नेशनल ग्रैंड राउंड्स 'में देश भर के डॉक्टरों को वर्तमान साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए कहा, यदि आप उपलब्ध आंकड़ों को देखें, तो लगभग 60 से 80त्न व्यक्ति जो कोविड -19 से उबर चुके हैं, उनके पास सीक्वेल (किसी अन्य बीमारी के कारण होने वाली स्थिति) का कोई रूप हो सकता है। यह थकान और शरीर में दर्द के रूप में हल्का हो सकता है। लेकिन यह लंबे समय तक ऑक्सीजन थेरेपी पर रहने वाले व्यक्तियों के रूप में बहुत गंभीर भी हो सकता है। हमारे पास दो व्यक्ति हैं, जिनके फेफड़े में व्यापक फाइब्रोसिस है और उन्हें फेफड़े के ट्रांसप्लांट की सलाह दी जा रही है और हमारे पास ऐसे लोग हैं जिनमें हृदय संबंधी असामान्यताएं और स्ट्रोक जैसी बड़ी दिक्कतें भी देखी जा रही हैं। फेफड़ों और हृदय की स्थितियों के अलावा, डॉक्टर गुलेरिया ने न केवल संक्रमण के परिणामस्वरूप होने वाले मनोवैज्ञानिक विकारों के बारे में चेतावनी दी,

यूपी पंचायत चुनाव-आयोग ने शुरू की तैयारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में होने वाले त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव के लिए राज्य निर्वाचन आयोग ने तैयारी शुरू कर दी है। पहले चरण में वोटर लिस्ट का वृहद पुनरीक्षण आगामी पहली अक्तूबर से शुरू हो सकता है। इस बाबत आयोग की तरफ से सभी जिलाधिकारियों को एक पत्र भेजा गया है जिसमें आगामी 15 सितम्बर से 30 सितम्बर के बीच वोटर लिस्ट पुनरीक्षण के काम में बूथ लेबल आफिसर द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली स्टेशनरी आदि की खरीद के लिए टेण्डर प्रक्रिया पूरी करते हुए खरीद का काम सम्पन्न करवाने को कहा गया है। इसे 'बीएलओ किट' भी कहा जाता है। वोटर लिस्ट पुनरीक्षण का काम करीब साढ़े तीन महीने चलेगा। इसमें ग्रामीण इलाकों में घर-घर जाकर बूथ लेबल आफिसर परिवार के सदस्यों में 18 साल से अधिक उम्र के लोगों का सत्यापन करेंगे। इसके साथ ही वर्ष 2015 से अब तक मृत या दूसरे राज्य चले गये और डुप्लीकेट वोटरों के नाम भी हटाए जाएंगे। यही नहीं वर्ष 2015 से पहली जनवरी 2021 तक ग्रामीण इलाकों में 18 साल की उम्र पूरी करने वाले नए वोटर भी शामिल किए जाएंगे। वर्ष 2015 के पंचायत चुनाव में करीब 11 करोड़ 80 लाख वोटर थे। पिछले 5 वर्षों में इसमें 10 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी मानी जा रही है। इस लिहाज से इस बार की नई वोटर लिस्ट करीब 13 करोड़ वोटरों की बनने की उम्मीद है। प्रदेश में पंचायत चुनाव अगले साल अप्रैल व मई के महीनों में करवाए जाने की उम्मीद है। प्रदेश का पंचायतीराज विभाग और राज्य निर्वाचन आयोग इसी आधार पर अपनी तैयारी कर रहे हैं। इसके पीछे तर्क दिया जा रहा है कि वोटर लिस्ट के पुनरीक्षण, शहरी क्षेत्र में शामिल पंचायतों को घटाते हुए नया परिसीमन, सीटों का नए सिरे से आरक्षण निर्धारण आदि में छह महीने का समय लगेगा। वोटर लिस्ट पुनरीक्षण अक्तूबर में अगर शुरू होता है तो उक्त सारे काम अगले साल मार्च तक पूरे हो पाएंगे। अगले साल फरवरी-मार्च में वार्षिक परीक्षाएं भी होंगी। इस लिहाज से पंचायत चुनाव अप्रैल-मई के महीनों में ही होने की उम्मीद है।

वैक्सीन ट्रायल रुकने पर सीरम इंस्टीट्यूट को DCGI का नोटिस, कंपनी ने कहा भारत में समस्या नहीं और..

नई दिल्ली। केन्द्रीय औषधि नियामक ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने फार्मा कंपनी एस्ट्राजेन के द्वारा ऑक्सफोर्ड कोविड-19 टीके का अन्य देशों में नैदानिक परीक्षण बंद किए जाने और टीके के 'गंभीर प्रतिकूल प्रभावों की खबरों' के संबंध में सूचना नहीं देने को लेकर सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया को कारण बताओ नोटिस जारी किया है. इस टीके को ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किया जा रहा है। भारत के औषधि महानियंत्रक डॉक्टर वी. जी. सोमानी ने कारण बताओ नोटिस में सीरम इंस्टीट्यूट से पूछा है कि मरीजों की सुरक्षा की गारंटी होने तक, देश में टीके के दूसरे और तीसरे चरण के परीक्षण के लिए दी गयी अनुमति को निलंबित क्यों ना किया जाए. दरअसल 'सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने केन्द्रीय लाइसेंसी प्राधिकार को अभी तक एस्ट्राजेनेका द्वारा अन्य देशों में टीके का परीक्षण निलंबित किए जाने की सूचना नहीं दी है और मरीजों पर इसके प्रतिकूल प्रभाव के संबंध में कोई रिपोर्ट भी नहीं सौंपी है.'

नोटिस में पूछे गए सवाल

नोटिस में नयी औषधि और नैदानिक परीक्षण नियम, 2019 के प्रावधान 30 के

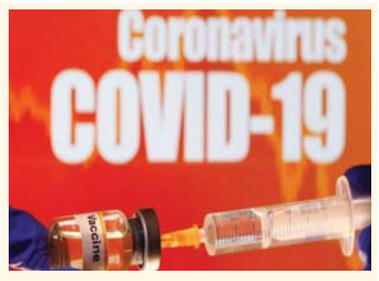

ब्रिटिश-स्वीडिश बायोफार्मा कंपनी एस्ट्राजेनेका ने टीके का उत्पादन करने के लिए ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के साथ करार किया है और उसने परीक्षण को रोकने की वजह बतायी है कि यह 'अनजान बीमारी' होने के बाद की सामान्य प्रक्रिया है।

तहत सीरम इंस्टीट्यूट से पूछा गया है कि दो अगस्त को दी गयी परीक्षण की मंजूरी को मरीजों की सुरक्षा तय होने तक स्थगित क्यों ना कर दिया जाए. DGCI ने तत्काल जवाब तलब करते हुए कहा, 'जवाब नहीं मिलने पर यह माना जाएगा कि आपके पास कहने को कुछ भी नहीं है और फिर आपके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी.'

इन देशों में जारी था परीक्षण

कारण बताओ नोटिस में भारतीय नियामक ने यह भी कहा है कि जिन भी देशों में नैदानिक परीक्षण चल रहा था, उन्हें रोक दिया गया है. गौरतलब है कि कंपनी के इस टीके का परीक्षण अमेरिका, ब्रिटेन, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीकामें भी चल रहा था।

सीरम इंस्टीट्यूट की प्रतिक्रिया

डीसीजीआई द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस के संबंध में सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने एक बयान में कहा है, 'हम डीसीजीआई के निर्देशानुसार काम कर रहे हैं और अभी तक हमसे परीक्षण रोकने को नहीं कहा गया है। अगर डीसीजीआई को कोई सुरक्षा संबंधी चिंता है तो हम उनके निर्देशों का अनुसरण करेंगे और मानक प्रक्रिया का पालन करेंगे।' नियामक ने पिछले महीने पुणे स्थित सीरम इंस्टीट्यूट को कोरोना वायरस संक्रमण के टीके के दूसरे और तीसरे चरण के मानव क्लिनिकल परीक्षण की अनुमति दी थी.।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

अभी और इंतजार

जिस वैक्सीन का सबसे ज्यादा इंतजार था, उसके मार्ग में नई बाधा का आना अफसोस की बात है, लेकिन इससे वैज्ञानिकों को नई ऊर्जा भी मिलेगी। कोई भी वैज्ञानिक प्रयोग कभी विफल नहीं होता। विज्ञान की विफलता में भी कोई न कोई कामयाबी छिपी होती है। हो सकता है, जिस वैक्सीन की कमी उजागर हुई है, वही वैक्सीन विकसित होकर हमारे सामने आ जाए। बहुराष्ट्रीय एस्ट्राजेनेका कंपनी से संसार भर के लोग खुशखबरी की उम्मीद लगाए बैठे थे, लेकिन कंपनी ने अपने अंतिम चरण के वैक्सीन परीक्षण को रोक दिया है। परीक्षण में शामिल एक व्यक्ति के बीमार पड़ने के बाद यह कदम उठाना स्वाभाविक ही है। यह सकारात्मक बात है कि इस बाधा को कंपनी ने एक सामान्य रुकावट माना है। जांच की जाएगी कि क्या वैक्सीन की वजह से एक व्यक्ति बीमार पड़ा है या उसकी बीमारी की कोई अन्य वजह है। यदि परीक्षण में शामिल उस व्यक्ति के बीमार पड़ने का कोई अन्य कारण सामने आया, तो फिर वैक्सीन के प्रयोग को आगे बढ़ाया जाएगा। हरेक दवा का व्यक्ति-दर-व्यक्ति अलग असर होता है, यदि किसी दवा के परीक्षण में शामिल सभी लोग बीमार पड़ जाएं, तो चिंता की बात होती है। हालांकि, कंपनी ने यह नहीं बताया कि उस व्यक्ति को क्या बीमारी हुई। कम से कम वैज्ञानिकों को इस बीमारी का पता चलना चाहिए और परीक्षण के परिणामों को साझा करना चाहिए। दुनिया भर में अभी 100 ज्यादा जगह कोरोना के वैक्सीन या दवा की तलाश जारी है। कहीं भी कोई कामयाबी या नाकामी सामने आए, तो उसे कम से कम वैज्ञानिकों के बीच साझा करना न केवल यथोचित, बल्कि मानवीयता भी है। आज दुनिया जिस निर्णायक मोड़ पर है, वहां हर देश चीन की तरह गोपनीय नहीं हो सकता। चीन वुहान में कोरोना को नियंत्रित करने के बाद अपने गुण गाने में जुटा है, लेकिन उसने दुनिया को यह नहीं बताया कि उसके यहां कोरोना की वास्तविक स्थिति क्या है? आखिर वुहान में सामान्य जन-जीवन की वापसी कैसे हुई? वह दुनिया को बीमारी देने के बाद खुद को कोरोना चिंता से मुक्त और मस्त दिखाने में जुटा है, जबकि विशेष रूप अमेरिका, यूरोप, भारत, ऑस्ट्रेलिया के वैज्ञानिक कोरोना वैक्सीन बनाने में दिन-रात एक किए हुए हैं। अभी तक ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर दवा विकसित करने में जुटी एस्ट्राजेनेका को सबसे आगे माना जा रहा था, लेकिन अब इंतजार का समय लंबा हो गया है, लेकिन निराश कतई नहीं होना चाहिए। इधर, भारत में प्लाज्मा थेरेपी को रामबाण माना जा रहा था, दिल्ली, मुंबई और कुछ अन्य शहरों में प्लाज्मा बैंक भी बन गए थे, लेकिन आईसीएमआर ने इस थेरेपी को बहुत कारगर नहीं माना है। देश के 39 अस्पतालों में किए गए अध्ययन से यह बात सामने आई है कि यह थेरेपी सभी में समान रूप से काम नहीं कर रही है। यह थेरेपी करीब 13.6 प्रतिशत लोगों की जान नहीं बचा पाई है, इसलिए इसे पुख्ता नहीं माना जा सकता। इन नतीजों को भी नाकामी नहीं कहा जा सकता, हो सकता है, प्लाज्मा थेरेपी पर भी अलग ढंग से काम करने की जरूरत हो। बहरहाल, वैज्ञानिकों और डॉक्टरों को कतई निराश नहीं होना चाहिए। दुनिया भर के लोग तो यही चाहेंगे कि जो भी दवा सामने आए, सोलह आना कारगर होकर ही आए।

नकारात्मक नजरिये से तार-तार ज़िंदगी

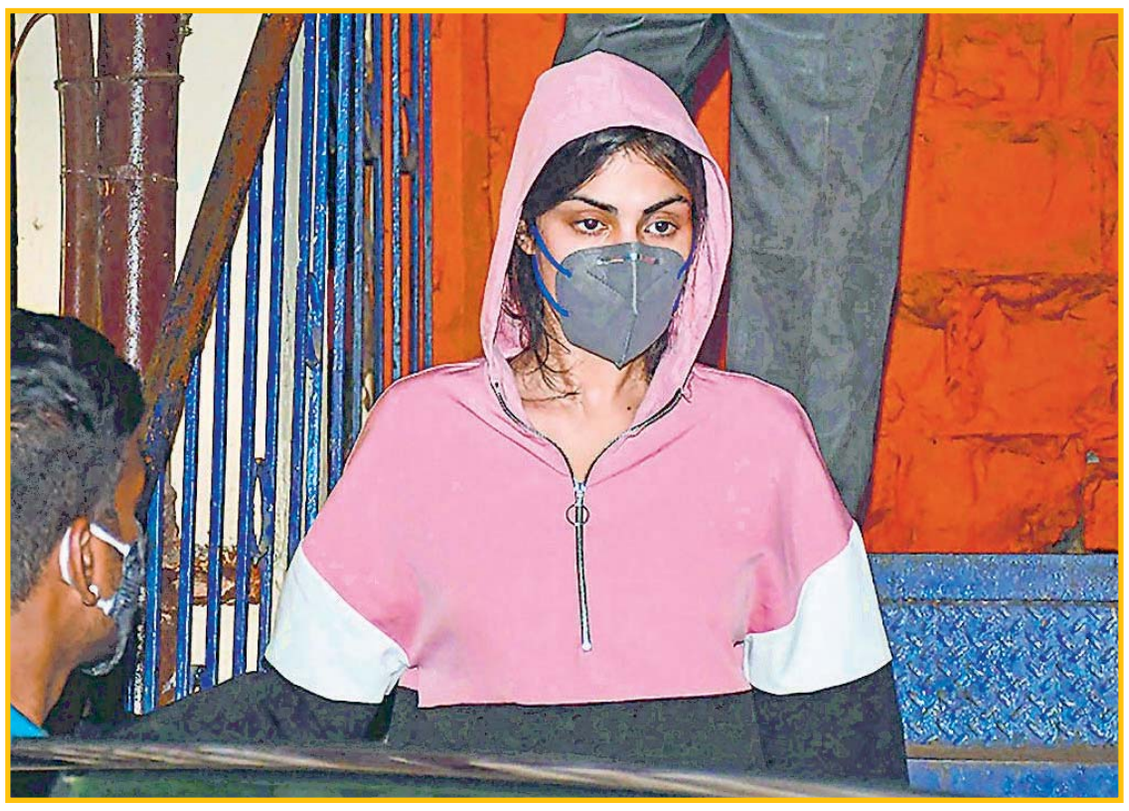

क्षमा शर्मा

दशकों पहले जब पूजा भट्ट फिल्मों में आई थी तो उनके बारे में तरह-तरह के किस्से छपते थे। खासतौर से पुरुष मित्रों के साथ उनके सम्बंधों के। इसमें अंग्रेजी में निकलने वाली फिल्मी पत्रिकाएं बहुत अग्रणी भूमिका निभाती थीं। पूजा अपने बारे में भी ऐसी बयानबाजी करती रहती थी, जिसे आम भाषा में बहुत बोल्ड स्टेटमेंट माना जाता है। कई फिल्मी पत्रिकाओं ने उनके वस्त्रविहीन चित्र भी छापे थे। तब एक फिल्मी पत्रकार ने उनसे पूछा कि उनके बारे में जैसी बातें छपती रहती हैं, क्या उनसे उन्हें परेशानी नहीं होती। एक लड़की होने के नाते क्या उन्हें कभी शर्म का अहसास नहीं होता। तो पूजा ने बहुत बिंदास अंदाज में कहा था कि पाजिटिव पब्लिसिटी के मुकाबले नेगेटिव पब्लिसिटी इसलिए अच्छी होती है कि उससे बहुत जल्दी आप फोकस में आ जाते हैं। आपकी चर्चा होने लगती है। किसी फिल्म को चलने के लिए और सफलता के लिए आपकी हरदम चर्चा होती रहनी जरूरी है। आज इतने दशक बाद, पूजा के उन बयानों के बारे में सोचकर लगता है कि शायद वह कहीं गलत थी। इन दिनों सुशांत सिंह के मसले पर उनकी मित्र रिया चक्रवर्ती को जिस तरह से मीडिया कवरेज मिल रहा है, उन्हें बिना किसी सबूत के अपराधी घोषित किया जा रहा है, कई चैनल्स तो उनके लिए ऐसी भाषा का प्रयोग कर रहे हैं, जिसे इस सम्मानित अखबार में लिखा भी नहीं जा सकता। आरोपी को अपराधी साबित करना इन दिनों चैनल्स का प्यारा शौक है। रिया अपराधी हो तो जरूर सजा मिले, लेकिन जांच एजेंसियों के किसी भी निर्णय पर पहुंचने से पहले मीडिया का जज व थानेदार बनकर, एक स्त्री को लगातार इस तरह से पेश करना कि वह इस धरती पर सबसे बड़ी अपराधी है, उस लड़की के भविष्य के साथ खेलना है। पिछले दिनों रिया को एक फिल्म से निकाला जा चुका है। उसकी मां बीमार हो गई है और रिया का पीछा मीडिया किसी घोषित अपराधी की तरह कर रहा है। आखिर इतनी नकारात्मक बातों के चलते यह लड़की कैसे जी पा रही होगी, कैसे अपने अड़ोसी-पड़ोसी, रिश्तेदारों के सवालों का सामना कर पा रही होगी। कैसे चार-चार जांच एजेंसियों से अकेली ही निपट रही होगी, यह सोचना मुश्किल है। रिया के पिता कर्नल इंद्रजीत जो सेना से रिटायर एक नामी डाक्टर हैं, ने कहा भी कि एक मिडल क्लास परिवार को नष्ट कर दिया गया है। जिस राष्ट्रीय महिला आयोग ने कंगना के बारे में शिव सेना के बयानों का फौरन संज्ञान लिया, वह रिया के मामले में कहां सोया हुआ है, पता नहीं। न ही जो स्त्रीवादी मामूली बातों पर भी इतना हो-हल्ला मचाते हैं, वे ही उसके पक्ष में सामने आए हैं। सुशांत जैसे नौजवान की मृत्यु बेहद दुखद है। लेकिन उनकी हत्या हुई या आत्महत्या की, यह साबित होना अभी बाकी है। ऐसे में रिया को सौ फीसदी दोष देना और उसे ही हर अपराध के लिए जिम्मेदार मानना कहां का न्याय है। यदि कल को उस पर कोई अपराध साबित नहीं हुआ तो क्या वे लोग अपनी गलती के लिए जरा भी पश्चाताप करेंगे, जिन्होंने उसे हफ्तों तक खलनायिका की तरह से पेश किया। जिस नकारात्मक पब्लिसिटी को पूजा भट्ट एक वरदान की तरह देख रही थी, वह रिया के मामले में उसका फायदा नहीं, नुकसान ही करेगी। शायद इसलिए भी कि पूजा भट्ट महेश भट्ट की बेटी थी, फिल्मी माहौल में ही पली-बढ़ी थी, नेगेटिव पब्लिसिटी को अच्छी तरह से हैंडिल करना जानती थी, जबकि रिया फिल्मी परिवार से नहीं आती। वह एक तरह से कंगना की तरह ही आउटसाइडर है। अतीत में जाएं तो शाइनी आहूजा का उदाहरण लिया जा सकता है। उन पर उनकी मेड ने यौन शोषण और रेप का आरोप लगाया था। बाद में अदालत ने उन्हें दोषी नहीं पाया था। लेकिन शाइनी आहूजा का करिअर खत्म हो गया। अपने छोटे से करिअर में हजारों ख्वाहिशें ऐसी, गैंगस्टर, वो लम्हे, लाइफ इन मेट्रो, जैसी हिट फिल्म देने वाले शाइनी आहूजा आज कहां हैं, पता नहीं। उनकी पत्नी ने उस वक्त कहा भी था कि समझ में नहीं आता कि वह और उनके परिवार के लोग इन सब बातों को कैसे झेलें। उनके बूढ़े माता-पिता के भी पीछे मीडिया पड़ गया था। लेकिन तब के मुकाबले आज तो चैनल्स की हालत यह है कि वे किसी के जीवन की निजता का भी ख्याल रखना भूल चुके हैं। जिन्हें अपनी निजता की बहुत चिंता है, वे दूसरों की प्राइवेसी को तार-तार करने में कोई कसर नहीं छोड़ते। आज के हालात को देखते हुए मोहल्ले-पड़ोस में होने वाली उन घटनाओं की याद आती है, जहां किसी लड़की या लड़के को मात्र सुनी-सुनाई बातों के आधार पर अपराधी साबित कर दिया जाता था। लड़कियों को इस तरह के नकारात्मक प्रचार का खमियाजा इतना अधिक भुगतना पड़ता था कि उनका जीना मुश्किल हो जाता था। आजकल कई बार ऐसी खबरें सुनाई पड़ती ही हैं कि किसी लड़की को प्रेम करने के लिए या किसी से मात्र बात करने पर, या डायन बताकर सरेआम बेइज्जत किया गया। बहुत से मामलों में मौत के घाट उतार दिया गया। दुख इस बात का है कि चैनल्स, जिन्हें निष्पक्ष माना जाता है, वे किसी युवा के पीछे इस तरह हाथ धोकर पड़ जाएं कि उसका जीना मुहाल कर दें। पिछले दिनों रिया को जिस तरह से चैनल्स ने घेरा, जिस तरह के उसके चित्र सामने आए, छपे, वे बेहद डरावने थे। ऐसे हालात देखकर रिया के ड्रग कनेक्शन की जांच करने वाले नारकोटिक्स ब्यूरो के अधिकारियों तक ने चिंता व्यक्त की और पुलिस से कहा कि रिया की सुरक्षा की जाए। इसीलिए पुलिस ने लाल बत्तियों पर भी न रुककर उसे जल्दी से जल्दी घर पहुंचाया। कायदे से तो रिया को खुश होना चाहिए था कि बिना किसी हिट फिल्म के नेगेटिव पब्लिसिटी के कारण वह देश के बच्चे-बच्चे की जबान पर चढ़ गई। पर अनेक जांच एजेंसियों का सामना करने वाली इस लड़की के दुख को हम शायद कभी नहीं जान पाएंगे। इसी कारण पूजा भट्ट की बात अब गलत मालूम देती है। नेगेटिव पब्लिसिटी जीवन को बनाती नहीं, तबाह कर देती है।

लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

आज के ट्वीट

ठेस

मेरे कई मराठी दोस्त कल फ़ोन पे रोए,कितनों ने मुझे सहायता हेतु कई सम्पर्क दिए, कुछ घर पे खाना भेज रहे थे जो मैं सिक्यरिटी प्रोटोकॉल्ज़ के चलते स्वीकार नहीं कर पायी,महाराष्ट्र सरकार की इस काली करतूत से दुनिया में मराठी संस्कृति और गौरव को ठेस नहीं पहुँचानी चाहिए. जय महाराष्ट्रा. -- कंगना रनोत

ज्ञान गंगा

आत्मिक प्रगति

श्रीराम शर्मा आचार्य

अध्यात्म का अर्थ है अपने आपे का विज्ञान। पदार्थ विज्ञान का, साइंस का अपना महत्त्व है। उसी के आधार पर मानवी प्रगति की सुविधा और साधनों की अनगिनत उपलब्धियां हस्तगत हो सकती हैं। और उन्हीं के सहारे मनुष्य भौतिक प्रगति के पथ पर आगे बढ़ा है और अन्य जीवधारियों की तुलना में अधिक साधन संपन्न बना है। अध्यात्म चेतना का विज्ञान है। मनुष्य के दो भाग हैं-एक जड़ और दूसरा चेतन। जड़ पंच तत्त्वों से बना शरीर है और चेतन आत्मा। जड़ शरीर के लिए जड़ जगत् से साधन उपक्रम प्राप्त होते हैं और उन्हें जुटाने के लिए भौतिक विज्ञान की विद्या अपनानी पड़ती है। ठीक इसी प्रकार आत्मा को चेतना की प्रगति और समृद्धि के लिए चेतना विज्ञान का सहारा लेना पड़ता है। अध्यात्म विज्ञान, ब्रह्मविद्या का प्रयोजन इसी महती आवश्यकता की पूर्ति करता है। अध्यात्म विज्ञान के लक्ष्य हैं- आत्मकल्याण यानी पूर्णता के परमात्मा स्तर तक पहुंचना। और इस प्रयोजन की पूर्ति के लिए चार चरण निर्धारित हैं। ये हैं-

1. आत्मचिंतन, 2. आत्मसुधार, 3. आत्मनिर्माण; और 4. आत्मविकास। पहला यानी आत्मचिन्तन अर्थात् अपने चेतन, अजर अमर शुद्ध चेतन स्वरूप का मान। शरीर और मन में अपनी स्वतन्त्र एवं पृथक् सत्ता की प्रगाढ़ अनुभूति। 2. आत्मसुधार अर्थात् अपने ऊपर चढ़े हुए मल आवरण विक्षेप, कषाय-कल्मषों का निरूपण-निरीक्षण और सुसंपन्न स्थिति को विपन्नता में बदल देने वाली विकृतियों की समुचित जानकारी। 3. आत्मनिर्माण अर्थात् विकृतियों को निरस्त करके उनके स्थान पर सद्भावनाओं और सत्प्रवृत्तियों की, उत्कृष्ट कर्तृत्व और आदर्श कर्त्तव्य स्थापित करने का सुनिश्चित संकल्प एवं साहसिक प्रयास जबकि चौथा चरण है आत्मविकास अर्थात् चिंतन और कर्तृत्व को लोक मंगल के लिए सत्प्रवृत्ति और संवर्धन के लिए तथा परमात्मस्तर पर विकसित होने के लिए अधिकाधिक संयम, तप, त्याग-बलिदान को सन्तोष एवं आनन्द की अनुभूति। कहना होगा कि इन चार चरणों में ही आत्मकल्याण का लक्ष्य निहित होता है, इन्हीं से प्राप्त होता है आत्मकल्याण।

न्यायाधीशों को निशाने पर लेने की कवायद

अनूप भटनागर

न्यायपालिका के प्रति अपमानजनक ट्वीट के कारण अधिवक्ता प्रशांत भूषण को दोषी ठहराने और इस अपराध के लिये उच्चतम न्यायालय की सजा का प्रकरण पूरी तरह शांत भी नहीं हुआ था कि प्रधान न्यायाधीश एस.ए. बोबडे की एक टिप्पणी ने सभी को चौंका दिया। प्रधान न्यायाधीश ने टिप्पणी की कि सबसे ज्यादा झूठी शिकायतें न्यायाधीशों के खिलाफ ही आती हैं और अगर व्यक्ति उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालय या प्रधान न्यायाधीश नियुक्त होने वाला है तो उसे निशाना बनाने का एक नया चलन देखने में आ रहा है।उनकी टिप्पणी वास्तव में यह सोचने को मजबूर करती है कि क्या समाज में इस तरह की प्रवृत्ति पनप रही है? अगर ऐसा है तो निश्चित ही यह चिंताजनक स्थिति है। यह टिप्पणी समाज में पनप रही उस प्रवृत्ति की ओर इशारा करती है, जिसमें व्यक्ति यह सोचता है कि मेरा काम बने या नहीं लेकिन दूसरा आगे नहीं निकलना चाहिए। प्रधान न्यायाधीश बोबडे की अध्यक्षता वाली पीठ ने पिछले सप्ताह एक प्रकरण की सुनवाई के दौरान टिप्पणी की कि किसी भी न्यायाधीश की पदोन्नति का समय आते ही अचानक उसके खिलाफ 20 साल पुराने आरोपों को उछालने का चलन बढ़ रहा है। न्यायालय ने अधिवक्ता प्रशांत भूषण को एक रुपये के सांकेतिक जुर्माने की सजा देते हुए अपने आदेश में न्यायाधीशों पर सार्वजनिक रूप से अनर्गल आरोप लगाये जाने की प्रवृत्ति का जिक्र किया था। न्यायालय ने तो यहां तक कहा था कि न्यायाधीश चूंकि सार्वजनिक रूप से या फिर मीडिया के माध्यम से इन आरोपों का प्रतिवाद नहीं कर सकते, इसलिए उन्हें खामोशी के साथ इन्हें सहना होता है। बहरहाल, पेश मामला मध्य प्रदेश का है जहां म.प्र. न्यायिक सेवा के 1987 बैच के एक अधिकारी पर 2018 से यौन उत्पीड़न के आरोपों की तलवार लटकी हुई है। यह भी तब जब शिकायतकर्ता महिला न्यायिक अधिकारी जांच समिति को सूचित कर चुकी हैं कि वह इस मामले में कोई साक्ष्य नहीं पेश करना चाहती। म.प्र. के इस जिला न्यायाधीश, जिनके नाम पर उच्च न्यायालय में पदोन्नति के लिये विचार हो रहा था, के खिलाफ अचानक ही अपनी सहयोगी महिला न्यायिक अधिकारी के कथित यौन उत्पीड़न के आरोपों में अनुशासनात्मक कार्रवाई की इजाजत दे दी गयी जबकि इस प्रकरण में पहले ही अंतिम रिपोर्ट आ चुकी थी। इस मामले में लैंगिक संवेदनशीलता आंतरिक शिकायत समिति ने पिछले साल अप्रैल में अपनी रिपोर्ट में कहा था कि प्रतिवादी के खिलाफ शिकायतकर्ता (महिला न्यायिक अधिकारी) के आरोपों के समर्थन में एक भी साक्ष्य रिकार्ड उपलब्ध नहीं है। इसके बावजूद समिति ने इस न्यायाधीश के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की सिफारिश की थी। दिलचस्प तथ्य यह भी था कि यह जिला न्यायाधीश इसी साल सेवानिवृत्त हो रहे हैं।इस मामले में शीर्ष अदालत ने अनुशासनात्मक कार्रवाई पर रोक लगा दी और उच्च न्यायालय के सेक्रेटरी जनरल से जवाब तलब किया है। लेकिन यह पहली घटना नहीं है जब म.प्र. में किसी महिला न्यायिक अधिकारी ने अपने वरिष्ठ सहयोगी पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। इससे पहले, एक और घटना 2014 में सुर्खियों में आयी थी और उस मामले में तो विवाद का केन्द्र बने म.प्र. उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एस.के. गंगले को पद से हटाने के लिये बाकायदा राज्यसभा में याचिका दायर की गयी थी। राज्यसभा के सभापति हामिद अंसारी ने न्यायाधीश जांच कानून के तहत उच्चस्तरीय जांच समिति भी गठित की थी। इस मामले में तो आरोप लगाने वाली महिला न्यायाधीश ने अपने पद से इस्तीफा तक दे दिया था। इस जांच समिति को यौन उत्पीड़न के आरोप संदेह से परे सही नहीं मिले। लेकिन इन आरोपों की वजह से संबंधित न्यायाधीश को मानसिक वेदना से गुजरना पड़ा और अब न्यायिक सेवा से त्यागपत्र देने वाली यही महिला न्यायाधीश दुबारा नियुक्ति चाहती हैं। म.प्र. की इन दो घटनाओं के अलावा और भी ऐसे मामले हुए हैं, जिनमें न्यायाधीशों पर यौन उत्पीड़न से लेकर भ्रष्टाचार तथा भाई-भतीजावाद तक के आरोप लगते रहे हैं। इनमें से कुछ ही मामलों में जांच के दौरान आरोप सही मिले और ऐसे न्यायाधीशों को पद से हटाने की कार्रवाई भी हुई। लेकिन इसके बावजूद सवाल यह है कि क्या न्यायपालिका के सदस्यों पर बगैर किसी ठोस सबूतों के तरह-तरह के अनर्गल आरोप लगाने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। चूंकि प्रधान न्यायाधीश ने एक न्यायिक कार्यवाही के दौरान इस तरह की टिप्पणी की है, इसलिए इसकी गंभीरता पर विचार करके इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के उपाय खोजना जरूरी है ताकि न्यायपालिका और इसके सदस्यों की गरिमा और सम्मान की रक्षा की जा सके।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रिलायंस के शेयरों में भारी तेजी, बाजार पूंजीकरण 14 लाख करोड़ रुपए के पार

मुंबई। एशिया के सबसे अमीर मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयरों ने गुरुवार को शेयर बाजारों में कारोबार की शुरुआत से ही लंबी छलांग भरी और कंपनी का बाजार पूंजीकरण 14 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया। आज बाम्बे शेयर बाजार में कारोबार की शुरुआत में रिलायंस का शेयर गत दिवस के 2161.65 रुपये की तुलना में 2185 रुपये पर खुला और ऊंचे में 2233.90 रुपये और नीचे में 2176.15 रुपये तक गिरने के बाद फिलहाल 2230 रुपये पर 68.75 रुपये ऊंचा है और कंपनी का बाजार पूंजीकरण 1414162.16 करोड़ रुपये है। इस वर्ष मार्च में रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर 867.82 रुपये तक लुढ़का था। बुधवार को कारोबार की समाप्ति पर रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 13 लाख 70 हजार 103 करोड़ 80 लाख रुपये था। रिलायंस की खुदरा कारोबार अनुषंगी रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड में अमेरिका की प्रौद्योगिकी क्षेत्र की अग्रणी निवेशक सिल्वर लेक ने बुधवार को 1.32 प्रतिशत इक्विटी के लिए साढ़े सात हजार करोड़ रुपये निवेश का ऐलान किया। रिलायंस रिटेल ने इसी माह खुदरा कारोबार के फ्यूचर समूह का 24713 करोड़ रुपये में अधिग्रहण किया है।

पश्चिम बंगाल 100 निजी एमएसएमई औद्योगिक पार्क की स्थापना के लिए देगा प्रोत्साहन

कोलकाता, पश्चिम बंगाल सरकार ने 100 निजी औद्योगिक पार्क की स्थापना के लिए प्रोत्साहन देने की बुधवार को घोषणा की। राज्य में यह औद्योगिक पार्क सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग (एमएसएमई) क्षेत्र के लिए होंगे। राज्य के गृह सचिव अलपन बंधोपाध्याय ने कहा कि इनसे रोजगार सृजन में मदद मिलेगी। इस बारे में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक में निर्णय किया जाएगा। राज्य सचिवालय 'नवन्ना' में संवाददाताओं से बातचीत में उन्होंने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों के लिए पिछले छह साल में 14 औद्यागिक पार्क पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं। यह 1,300 एकड़ क्षेत्र में फैले हैं। नए पार्क इनसे अलग होंगे। बंधोपाध्याय ने कहा कि इन पार्कों की स्थापना में होने वाले निवेश के एक हिस्से का भुगतान सरकार करेगी।

एनसीएलएटी ने कारवाल इंवेस्टर्स की उत्तम वैल्यू स्टील की समाधान योजना के खिलाफ दायर याचिका खारिज की

नयी दिल्ली राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने कर्ज के बोझ में दबी उत्तम वैल्यू स्टील की समाधान योजना के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी। कारवाल इंवेस्टर्स ने उत्तम वैल्यू स्टील के लिए यह योजना पेश की है। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) कारवाल इंवेस्टर्स और निथिया कैपिटल की इस समाधान योजना को मंजूरी दे चुका है। दिल्ली स्थित एनसीएलएटी की तीन सदस्यीय पीठ ने एनसीएलटी के निर्णय को बरकरार रखा। उत्तम वैल्यू स्टील पर 3,003 करोड़ रुपये का कर्ज है। एनसीएलएटी के कार्यवाहक अध्यक्ष न्यायमूर्ति बी. एल. भट्ट की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि समाधान योजना के खिलाफ दायर याचिका सुनवाई योग्य नहीं है। अत- इसे खारिज किया जाता है।

रूट मोबाइल के आईपीओ को पहले दिन मिला पूर्ण अभिदान

नयी दिल्ली क्लाउड आधारित सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनी रूट मोबाइल के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को पहले दिन बुधवार को पूर्ण अभिदान मिला। एनएसई के पास उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, कंपनी के 600 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिये 1,21,73,912 शेयरों के मुकाबले 1,22,31,600 शेयरों के लिये बोलियां प्राप्त हुईं। इस आईपीओ में गैर-संस्थागत निवेशकों के हिस्से को 46 प्रतिशत, पात्र संस्थागत खरीदारों के हिस्से को एक प्रतिशत, जबकि खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों के हिस्से को 1.80 गुना अभिदान मिला। रूट मोबाइल ने मंगलवार को एंकर निवेशकों से 180 करोड़ रुपये जुटाये थे। कंपनी के आईपीओ में 240 करोड़ रुपये के नये निर्गम और 360 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश शामिल है।

हैप्पिएस्ट माइंड्स टेक्नोलॉजीज के आईपीओ को मिला 151 गुना अभिदान

नयी दिल्ली आईटी सेवा प्रदाता कंपनी हैप्पिएस्ट माइंड्स टेक्नोलॉजीज के प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को निवेशकों की शानदार प्रतिक्रिया मिली है। कंपनी के आईपीओ को अंतिम दिन बुधवार तक कुल 151 गुना आवेदन मिले। एनएसई पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, 2.33 करोड़ शेयरों के निर्गम आकार के मुकाबले 702 करोड़ रुपये के आईपीओ को 351 करोड़ शेयरों के लिये बोलियां मिली। आंकड़ों के अनुसार, पात्र संस्थागत खरीदारों के हिस्से को 77.43 गुना, गैर-संस्थागत निवेशकों के हिस्से को 351.46 गुना और खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों के हिस्से को 70.94 गुना आवेदन मिले। सोमवार को खुले इस आईपीओ के लिये कीमत का दायरा 165-166 रुपये प्रति शेयर रखा गया था। इस पेशकश में 110 करोड़ रुपये के नये शेयरों का इश्यू तथा 3.56 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश शामिल थी। अशोक सूता प्रवर्तित कंपनी ने पिछले सप्ताह निवेशकों से 316 करोड़ रुपये जुटाये थे। सूता माइंडट्री के संस्थापक चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक भी रहे हैं। उन्होंने विप्रो के वाइस चेयरमैन के रूप में भी काम किया है। हैप्पिएस्ट माइंड्स टेक्नोलॉजीज इस आईपीओ से प्राप्त राशि का इस्तेमाल दीर्घकालिक कार्यशील पूंजीगत जरूरतों और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों को पूरा करने के लिये करेगी। कंपनी के शेयरों को बीएसई और एनएसई में सूचीबद्ध किया जायेगा। कंपनी के आईपीओ के प्रबंधक आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज और नोमुरा फाइनेंशियल एडवाइजरी एंड सिक्योरिटीज (इंडिया) हैं।

फेस्टिव सीजन के लिए Flipkart ने कसी कमर, 50,000 से अधिक किराना दुकानदारों को जोड़ा

बिजनेस डेस्क।

ई-कॉमर्स दिग्गज फ्लिपकार्ट ने 850 से ज्यादा शहरों में ग्राहकों को डिलिवरी के लिए किराना स्टोरों को शामिल करने के अपने अभियान का विस्तार किया है। कंपनी ने त्योहारी सीजन और अपनी प्रमुख सेल बिग बिलियन डेज के लिए तैयारी के तौर पर यह विस्तार किया है। 50,000 से ज्यादा किराना स्टोरों के साथ वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली इस कंपनी का मकसद बड़ी तादाद में उपभोक्ताओं को तेज एवं व्यक्तिगत ई-कॉमर्स अनुभव मुहैया कराने के साथ साथ किराना स्टोरों के लिए अतिरिक्त आय के तौर पर अवसर पैदा करना है। ई-कॉमर्स को और ज्यादा समावेशी बनाने के लिए किराना कार्यक्रम का पूरे देश में दूरदराज के इलाकों और शहरों तक विस्तार किया गया है जिनमें तिनसुकिया (असम), अगरतला (त्रिपुरा) और कन्नूर (केरल) जैसे स्थान शामिल हैं। फ्लिपकार्ट में ईकार्ट और मार्केटप्लेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमितेश झा ने कहा, 'भारत में सबसे पुराने रिटेल फॉर्मेटों में से एक के तौर पर किराना की बड़ी पैठ है और वे सुविधाओं, इन्वेंट्री, सूचना एवं खरीदारी जैसे आपूर्ति शृंखला संबंधित वाहकों के प्रभावी प्रबंधन के साथ साथ उपभोक्ताओं के साथ दीर्घावधि संबंध बनाए रखने में भी सक्षम हैं। अपनी हाइपरलोकल उपस्थिति और फ्लिपकार्ट द्वारा नवीनता के समावेश के जरिये, यह कार्यक्रम देश में किराना व्यवस्था को मजबूत बनाने में बेहद सक्षम रहा है। हम स्वयं में बड़ा बदलाव लाने के लिए देशभर के किराना स्टोरों की बढ़ती भागीदारी से उत्साहित हैं।' किराना स्टोरों की मदद करने और उन्हें त्योहारी सीजन में सक्रिय भागीदार बनाने के लिए, फ्लिपकार्ट की टीम ने ऑनलाइन आवेदन फॉर्मों के जरिये बगैर संपर्क के किराना को शामिल करने की प्रक्रिया शुरू की है जिसके तहत किराना भागीदार जरूरी दस्तावेजी प्रक्रिया के साथ अपने विवरण सीधे तौर पर अपलोड कर सकते हैं। इससे किराना मालिकों को कोविड-19 के समय में घर से बाहर निकले बगैर हमारे साथ जुड़ने में आसानी हुई है। टीम ने विभिन्न टूल्स पर डिजिटल प्रशिक्षण भी आयोजित किया है जिसमें ऐप-आधारित डैशबोर्ड और डिजिटल भुगतान शामिल हैं। इससे किराना स्टोरों को अपना व्यवसाय पारंपरिक जनरल स्टोरों से आधुनिक स्टोर बनाने में मदद मिल रही है। लाखों विक्रेताओं और एमएसएमई के साथ भागीदारी के जरिये फ्लिपकार्ट भारत में अपनी मजबूत आपूर्ति शृंखला के जरिये हर दिन लाखों की तादाद में पैकेट डिलिवर करती है।

Amazon को रिटेल बिजनेस में 20 अरब डॉलर की हिस्सेदारी बेच सकती है रिलायंस: रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारतीय अरबपति और एशिया के सबसे बड़े धनकुबेर मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड अमेजन इंक (Amazon.com Inc.) को अपने खुदरा व्यापार में लगभग 20 अरब डॉलर की हिस्सेदारी बेचने की पेशकश कर रही है। सूत्रों की मानें तो, मुंबई स्थित रिलायंस इंडस्ट्रीज, Amazon की सहायक कंपनी में 40 फीसदी हिस्सेदारी के रूप में बेचने के लिए तैयार है। बता दें कि, अगर यह डील सफल होती है तो न केवल भारतीय खुदरा बाजार में प्रतिस्पर्धा पैदा करेगा, बल्कि दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते उपभोक्ता बाजारों में दुनिया के सबसे अमीर जेफ बेजोस (Jeff Bezos) और एशिया के सबसे अमीर आदमी मुकेश अंबानी का दबदबा भी बढ़ जाएगा। Bloomberg के आंकड़ों के अनुसार 20 अरब डॉलर का यह सौदा भारत के साथ-साथ Amazon के लिए भी सबसे बड़ा सौदा होगा। इस डील के बारे में पूछे जाने पर अमेजन ने टिप्पणी करने से इंकार कर दिया है। ब्लूमबर्ग को भेजी ईमेल के जवाब में रिलायंस के प्रवक्ता ने कहा कि एक नीति के रूप में, हम मीडिया की अटकलों और अफवाहों पर टिप्पणी नहीं करते हैं। हमारी कंपनी ने निरंतर आधार पर विभिन्न अवसरों का मूल्यांकन किया है। गौर रहे कि, आज रिलायंस के शेयर में करीब 6 फीसदी तक तेजी देखने को मिली। रिलायंस 200 अरब डॉलर का मार्केट कैप पार करने वाली भारत की पहली सूचीबद्ध कंपनी बन गई। अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयरों ने गुरुवार को शेयर बाजारों में कारोबार की शुरुआत से ही लंबी छलांग भरी और कंपनी का बाजार पूंजीकरण 14 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया।

लोन मोरेटोरियम केस: SC ने केंद्र से कहा, बार-बार नहीं टाली जाएगी सुनवाई- जल्दी करें विचार

नई दिल्ली.

लोन मोरेटोरियम मामले में टाली गई EMI पर ब्याज न लेने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई को दो हफ्तों के लिए टाल दिया है। कोर्ट ने कहा कि इस मामले को फाइनल सुनवाई के लिए आखिरी बार टाला जा रहा है। कोर्ट ने केंद्र सरकार और रिजर्व बैंक को इस मामले में 2 हफ्तों के अंदर निर्णय लेने का समय दिया है। कोर्ट ने 31 अगस्त को खत्म मोरेटोरियम अवधि को आगे बढ़ाने पर विचार करने की बात कही। इस मामले पर अगली सुनवाई 28 सितंबर को होगी।

बैंकिंग अर्थव्यवस्था की रीढ़ है

बता दें कि पहले तीन सितंबर को लोन मोरेटोरियम मामले की सुनवाई 10 सितंबर के लिए टाली गई थी। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि किश्त भुगतान न होने पर किसी भी एकाउंट को NPA घोषित न किया जाए। सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने सुनवाई के दौरान माना था कि जितने लोगों ने भी समस्या रखी, वह सही हैं। हर सेक्टर की स्थिति पर विचार जरूरी है। लेकिन बैंकिंग सेक्टर का भी ध्यान रखना होगा। बैंकिंग अर्थव्यवस्था की रीढ़ है।

कोरोना की मार

उन्होंने कहा कि मोरेटोरियम योजना लाने का मकसद था कि व्यापारी उपलब्ध पूंजी का जरूरी इस्तेमाल कर सकें। उन पर बैंक किस्त का बोझ न पड़े। मकसद यह नहीं था कि ब्याज माफ कर दिया जाए। कोरोना महामारी की मार हर सेक्टर पर पड़ी है। इसके बावजूद फार्मा, IT जैसे सेक्टर ने अच्छा प्रदर्शन किया है।

इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किया था कि हमारे सामने सवाल यह रखा गया है कि आपदा राहत कानून के तहत क्या सरकार कुछ करेगी? हर सेक्टर को स्थिति के मुताबिक राहत दी जाएगी? मेहता ने कहा, '6 अगस्त के RBI के सर्क्युलर में बैंकों को लोन वसूली प्रक्रिया तय करने की छूट दी गई है। एक कमिटी भी बनाई गई है, जो 6 सितंबर को रिपोर्ट देगी।'

एक तरफ मोरेटोरियम, दूसरी तरफ ब्याज पर ब्याज- कोर्ट

इसके बाद बैंकों के समूह के वकील हरीश साल्वे ने कहा था कि हर सेक्टर के लिए भुगतान का अलग प्लान बनाया जाएगा। उन्हें नया लोन भी दिया जाएगा। हमें लोन लेने वाले सामान्य लोगों के लिए भी सोचना है। उनकी समस्या उद्योग से अलग है। कोर्ट ने कहा कि एक तरफ मोरेटोरियम, दूसरी तरफ ब्याज पर ब्याज। दोनों साथ में नहीं चल सकते हैं।

भारत से नई उड़ानें शुरू करेगी यूनाइटेड एयरलाइंस, दिसंबर में दिल्ली से शिकागो के लिए भरेगी उड़ान

नई दिल्ली.

अमेरिकी विमान सेवा कंपनी यूनाइटेड एयरलाइंस बेंगलुरु और दिल्ली से अमेरिका के लिए नयी उड़ानें शुरू करेगी। एयरलाइन ने गुरुवार को बताया कि वह इस साल दिसंबर में दिल्ली से शिकागो के लिए दैनिक उड़ान शुरू करेगी। इसके अलावा अगले साल वह बेंगलुरु से सैनफ्रांसिस्को की दैनिक उड़ान शुरू करेगी। यह बेंगलुरु से अमेरिका के लिए पहली नॉन-स्टॉप उड़ान होगी। दिसंबर में दिल्ली से शिकागों, बेंगलुरु से सैनफ्रांसिस्को की दैनिक उड़ान शुरू करेगी- यूनाइटेड एयरलाइंस यूनाइटेड एयरलाइंस की दिल्ली और मुंबई से न्यूयॉर्क/नेवॉर्क तथा दिल्ली से सैनफ्रांसिस्को की सेवा पहले से है। नयी उड़ानों के शुरू होने पर वह भारत और अमेरिका के बीच सबसे अधिक नॉन-स्टॉप सेवा देने वाली अमेरिकी एयरलाइन बन जायेगी। यूनाइटेड एयरलाइंस के अंतरराष्ट्रीय विपणन प्रबंध निदेशक मार्शेल फुच ने कहा कि इन उड़ानों के शुरू होने से दोनों देशों के यात्रियों को अधिक विकल्प मिल सकेंगे। बेंगलुरु और सैनफ्रांसिस्को दुनिया के दो बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र हैं। दोनों शहरों के बीच सीधी विमान सेवा शुरू होने से कारोबार के लिए यात्रा करने वालों को काफी आसानी होगी।

कोरोना काल में राहत भरी खबर, इस सेक्टर में मिलेगी 5 करोड़ नौकरियां

नई दिल्ली. केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि सरकार का अगले पांच साल में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (एमएसएमई) क्षेत्र में पांच करोड़ अतिरिक्त रोजगार अवसर सृजित करने का लक्ष्य है। एमएसएमई, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा कि उनका लक्ष्य सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में एमएसएमई के योगदान को लगभग 30 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत और निर्यात में 49 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 प्रतिशत तक लाना है। अभी एमएसएमई क्षेत्र करीब 11 करोड़ लोगों को रोजगार देता है। उन्होंने कहा कि नवोन्मेषों तथा उद्यमियों के लिये मदद के दायरे को विस्तृत बनाया जाना चाहिये, ताकि नयी प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के अवसर मिल सकें। एमएसएमई मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार, गडकरी ने कहा कि नवाचारों में जोखिम लेने और नये समाधान खोजने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में जो लोग चूक कर रहे हैं, उनका बचाव करने की जरूरत है। गडकरी ने एक आभासी बैठक को संबोधित करते हुए नीति आयोग की पहल आत्मनिर्भर भारत अराइज अटल न्यू इंडिया चैलेंज की सराहना की।

डिस्ट्रीब्यूटर बनने का शानदार मौका, सीएनजी-पीएनजी लाइसेंस के लिए 11वें दौर की नीलामी जल्द

नई दिल्ली.

देश के विभिन्न शहरों में सीएनजी और पीएनजी वितरण लाइसेंस देने के लिए 11वें दौर की नीलामी जल्द शुरू होगी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बृहस्पतिवार को कहा कि इससे करीब 500 शहरों तक पर्यावरण अनुकूल ईंधन को पहुंचाने में मदद मिलेगी। पेट्रोलियम एव प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) ने 2018 और 2019 के दौरान देश के 136 भौगोलिक क्षेत्रों में वाहनों के लिए सीएनजी और घरों के लिए पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) का खुदरा कारोबार करने के लाइसेंस दिए। इससे देश की करीब 70 प्रतिशत आबादी और 406 जिलों तक गैस वितरण को पहुंचाने में मदद मिली। प्रधान 13 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में 56 सीएनजी पंप शुरू करने के मौके पर बोल रहे थे। इस ऑनलाइन कार्यक्रम में उन्होंने कहा, ''शहरों में गैस वितरण के लिए 11वें दौर की नीलामी प्रक्रिया बहुत जल्द पेश की जाएगी। पीएनजीआरबी इसकी तैयारी कर रही है।' उन्होंने कहा कि 11वें दौर की नीलामी प्रक्रिया के बाद छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और विदर्भ के 50 से 100 जिलों तक शहरी गैस नेटवर्क सुविधा पहुंच जायेगी। शहरी गैस वितरण का विस्तार करने की योजना सरकार के देश के सकल ऊर्जा बास्केट में 2030 तक प्राकृतिक गैस का हिस्सा बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने की योजना का हिस्सा है। वर्तमान में देश में हो रही कुल ऊर्जा खपत में प्राकृतिक गैस का हिस्सा मात्र 6.3 प्रतिशत ही है।

भारतीय इंजीनियर ने फेसबुक से दिया इस्तीफा, कहा- नफरत फैलाकर मुनाफा कमा रही कंपनी

बिजनेस डेस्क.

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक विवादों से घिरती हुई नजर आ रही है। कंपनी के एक भारतीय इंजीनियर अशोक चंदवानी ने कंपनी पर नफरत फैलाकर मुनाफा कमाने का आरोप लगाते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया। चंदवानी ने सार्वजनिक रूप से कंपनी की इस नीति की आलोचना भी की।

फेसबुक वैश्विक स्तर पर घृणा को बढ़ावा दे रहा

चंदवानी ने फेसबुक को लिखे अपने इस्तीफे में कहा कि इस प्लेटफॉर्म को नफरत का मंच बनते देखकर बेचैनी हो रही है। उन्होंने कहा कि यह देखने के बाद अब स्टैंड लेने का समय आ गया है।अशोक चंदवानी ने फेसबुक के इंटरनल नेटवर्क पर पोस्ट किए अपने 1300 शब्दों के लेटर में कहा कि मैं नौकरी इसलिए छोड़ रहा हूं क्योंकि मैं अब ऐसे संगठन में योगदान नहीं कर सकता जो अमेरिका समेत वैश्विक स्तर पर घृणा को बढ़ावा दे रहा है।

कोर वैल्यूज से भटकी कंपनी

फेसबुक पर अपने इस्तीफे के नीचे कई लिंक भी साझा किए हैं। ये लिंक उन्होंने फेसबुक पर लगाए आरोपों की पुष्टि करने के लिए लगाए हैं। चंदवानी ने कहा कि कंपनी ने नस्लवाद, विघटन और हिंसा के लिए उकसाने के मंच पर मुकाबला करने के लिए बहुत कम काम किया है। उन्होंने विशेष रूप से म्यांमार में हुए नरसंहार को रोकने में कंपनी की भूमिका का हवाला दिया है। कंपनी अपनी 5 कोर वैल्यूज से भटक गई है।

फेसबुक की सफाई

फेसबुक के प्रवक्ता लिज बुर्जुआ ने इस्तीफे पर अपना पक्ष रखते हुए कहा कि, हम नफरत से लाभ नहीं कमाते हैं। हम अपने समुदाय को सुरक्षित रखने के लिए प्रत्येक वर्ष अरबों डॉलर का निवेश करते हैं और अपनी नीतियों की समीक्षा और अद्यतन करने के लिए बाहरी विशेषज्ञों के साथ गहन साझेदारी में हैं। इस गर्मी में हमने उद्योग की अग्रणी नीति शुरू की, हमारे फैक्ट चेक कार्यक्रम को बढ़ाया और नफरत फैलाने वाले संगठनों से जुड़े लाखों पोस्ट हटाए। जिसमें से 96% से वे थे जिसके बारे में हमे किसी ने सूचित नहीं किया था।

ऑनलाइन बिक्री प्लेटफॉर्म पर Khadi India भी पीछे नहीं, गांधी जयंती तक 1,000 उत्पाद करने का लक्ष्य

नई दिल्ली. खादी और ग्रामोद्योग आयोग के ऑनलाइन बिक्री मंच पर अब 180 से ज्यादा उत्पाद उपलब्ध हो चुके हैं। आयोग इसे इस वर्ष गांधी जयंती तक 1,000 उत्पाद करने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। कोविड-19 संकट के बीच आयोग ने सिर्फ मास्क की बिक्री के साथ सात जुलाई को इस मंच की शुरुआत की थी। आयोग एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग) मंत्रालय के तहत काम करता है। मंत्रालय ने बुधवार को एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा कि आयोग की इस पहल से देशभर में खादी ग्रामोद्योग से जुड़े लोग दूर-दूर तक अपने उत्पाद बेचने में समर्थ हो रहे हैं। इस मंच पर सात जुलाई को केवल खादी के मास्क की ऑनलाइन बिक्री शुरू हुई थी। अब यह पूरी तरह विकसित ई-मार्केट का रूप ले चुका है और इस पर 180 से अधिक उत पाद मौजूद हैं। कई और उत्पादों को शामिल करने की प्रक्रिया चल रही है। आयोग के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना ने इस बारे में कहा कि खादी उत्पादों की ऑनलाइन बिक्री स्वदेशी मुहिम को गति प्रदान करने वाली है और इसका उद्देश्य स्थानीय कारीगरों को सशक त बनाना है। यह 'आत्मनिर्भर भारत' का निर्माण करने की दिशा में एक मजबूत कदम है। इस मंच पर 50 रुपये से लेकर पांच हजार रुपये तक के उत्पाद मौजूद हैं। आयोग ने कहा कि वह मंच पर रोजाना कम से कम 10 नए उत पाद जोड़ रहा है। उसका लक्ष्य इसे दो अक्टूबर तक 1,000 उत्पाद तक पहुंचाने का है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईएसएल - जमशेदपुर एफसी ने नाइजीरिया के स्टीफन के साथ किया करार

जमशेदपुर। नाइजीरिया राष्ट्रीय फुटबाल टीम के मौजूदा सदस्य स्टीफन इजे ने गुरुवार को इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की टीम जमशेदपुर एफसी के साथ करार किया। टीम ने एक बयान जारी कर इस बात की जानकारी दी। 26 साल के इस खिलाड़ी ने नाइजीरिया के लिए 2016 में पदार्पण करने के बाद 13 मैच खेले हैं।टीम के मुख्य कोच ओवेन कोयले ने स्टीफन को लेकर कहा, स्टीफन हमारे डिफेंस को मजबूत करने में काफी मददगार रहेंगे। वह एक जानी मानी शाख्सियत के तौर पर यहां आ रहे हैं। उन्होंने विश्व कप खेलने वाली नाइजीरिया जैसी टीम का प्रतिनिधत्व किया है।उन्होंने कहा, स्टीफन की ड्रेसिंग रूम में मौजूदगी टीम को आगे ले जाने में मददगार होगी। वह शानदार युवा खिलाड़ी हैं। जमशेदपुर के साथ जुड़ने पर स्टीफन ने कहा, मैं काफी करीब से आईएसएल को देख रहा था। यह काफी अच्छा टूर्नामेंट है। मैंने जमशेदपुर के फ्रशंसकों में जुनून देखा है इसलिए मैं टीम से जुड़ने के लिए उत्साहित हूं। मेरा लक्ष्य साधारण है, जीतना।

US OPEN 2020- थीम पहली और सेरेना 11वीं बार यूएस ओपन के सेमीफाइनल में, मेदवेदव-ज्वेरेव भी अंतिम 4 में पहुंचे

डिजिटल डेस्क, न्यूयॉर्क।

ऑस्ट्रिया के स्टार टेनिस खिलाड़ी डोमिनिक थीम साल के चौथे ग्रैंड स्लैम-यूएस ओपन के सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। दूसरी सीड थीम ने बुधवार को मेंस सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल मैच में 21वीं सीड ऑस्ट्रेलिया के अलेक्स डि मिनौर को 6-1, 6-2, 6-4 से हराया। इस जीत के साथ ही थीम ऑस्ट्रिया के पहले खिलाड़ी बन गए हैं, जो इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं।

थीम-मेदवेदेव सेमीफाइनल में आमने-सामने

इससे पहले थीम 2018 में टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे थे, जहां उन्होंने राफेल नडाल के खिलाफ चार घंटे 49 मिनट तक चले मैराथन मुकाबले में काफी संघर्ष किया था। हालांकि पांचवें सेट में टाइब्रेकर में जाकर उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। सेमीफाइनल में अब थीम का सामना पिछले साल के उपविजेता डेनिल मेदवेदेव से होगा।

अलेक्जेंडर ज्वेरेव भी सेमीफाइनल में पहुंचे

मेदवेदेव ने क्वार्टर फाइनल में हमवतन आंद्रे रूबलेव को 7-6 (6), 6-3, 7-6 (5) से शिकस्त दी। मेदवेदव एक भी सेट गंवाए बिना सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। 1960 में नील फ्रेजर ने यूएस ओपन जीता था। तब वे एक भी सेट नहीं हारे थे। वहीं मेंस सिंगल्स के अन्य सेमीफाइनल में शनिवार को अलेक्जेंडर ज्वेरेव का सामना पाब्ला कैरेना बुस्ता से होगा।

ज्वेरेव ने क्वार्टर फाइनल में हमवतन आंद्रे रूबलेव को 7-6 (6), 6-3, 7-6 (5) से मात देकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की है। वह पिछले 25 साल में यूएस ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले पहले जर्मनी खिलाड़ी हैं। उनसे पहले 1995 में बोरिस बेकर ने यह उपलब्धि हासिल की थी।

सेरेना लगातार 11वीं बार टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में

वहीं विमेंस सिंगल्स में वर्ल्ड नंबर-8 अमेरिका की सेरेना विलियम्स लगातार 11वीं बार टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंची हैं। सेरेना ने क्वार्टर फाइनल में बुल्गारिया की स्वेतलाना पिरोनकोवा को 4-6, 6-3, 6-2 से हराया। सेरेना का अब सेमीफाइनल में मुकाबला पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 विक्टोरिया अजारेंका से होगा। अजारेंका 2013 के बाद पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंची हैं। अजारेंका ने क्वार्टर फाइनल में एलिसे मर्टन्स को 6-1, 6-0 से हराया।

सेरेना और अजारेंका के बीच अब तक 22 मुकाबले हुए हैं। इसमें सेरेना ने 18 और अजारेंका ने 4 मैच जीते हैं। अजारेंका और सेरेना 2012 और 2013 के अमेरिका ओपन के फाइनल में एक दूसरे के खिलाफ मुकाबले में उतर चुकी हैं। दोनों बार खेले गए फाइनल में सेरेना ने अजारेंका को हराकर लगातार दूसरा अमेरिका ओपन का खिताब जीता था। वहीं विमेंस सिंगल्स के अन्य सेमीफाइनल में जापान की नाओमी ओसाका का सामना 28वीं सीड जेनिफर ब्रेडी से होगा।

आक्रामक इंग्लैंड के खिलाफ हमें श्रेष्ठ देना होगा : फिंच

मैनचेस्टर ।

आस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान एरॉन फिंच ने गुरुवार को कहा कि उनकी टीम को इंग्लैंड के खिलाफ शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे सीरीज में अपना सर्वश्रेष्ठ देना होगा। तीन मैचों की सीरीज का पहला वनडे शुक्रवार को ओल्ड ट्रेफर्ड स्टेडियम में खेला जाएगा। फिंच ने कहा, अतीत में वह हम पर हावी रहे हैं। इसमें कोई शक नहीं है और यह ठीक है। हम पीछे नहीं देख रहे हैं। आगे देख रहे हैं। उन्होंने कहा, यह अच्छा चुनौती है और इंग्लैंड के खिलाफ खेलना हमेशा से मजेदार रहता है क्योंकि आप जानते हो कि आप हर गेंद पर प्रतिस्पर्धा में हो। कुछ भी हो सकता है और आपको इसके लिए तैयार रहना होता है। फिंच ने विश्व विजेता इंग्लैंड की तारीफ की और कहा कि उनके खिलाफ हर किसी को तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा, जब भी आप इंग्लैंड के खिलाफ खेलते हो तो आप 90 प्रतिशत नहीं खेल सकते। आपको उन्हें हराने के लिए अपना सौ फीसदी देना होता है। हम इस चुनौती के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, वह ऐसी टीम है, जिसमें बल्ले और गेंद दोनों से काफी दम है। उसके पास अनुभव है और वह आपके सामने आता रहता है। 20 ओवर, 50 ओवर के मैच में ऐसा समय नहीं होता कि जब आप थोड़ा आराम से रह सको क्योंकि उनकी टीम में कोई न कोई होता है जो आपसे मैच ले जा सकता है।

वैक्सीन समाधान नहीं लेकिन ओलम्पिक के आयोजन में मदद मिलेगी - बाक

टोक्यो। टोक्यो ओलम्पिक-2020 के लिए वैक्सीन और रैपिड टेस्टिंग एक समाधान न हो लेकिन वैक्सीन के होने से अगले साल होने वाले खेलों को आयोजित करने में मदद मिलेगी। यह कहना है भारतीय ओलम्पिक समिति (आईओसी) के अध्यक्ष थॉमक बाक। ओलम्पिक खेलों का आयोजन इसी साल 24 जुलाई से नौ अगस्त के बीच किया जाना था लेकिन कोविड-19 के कारण इसे टाल दिया गया है और अब यह खेल अगले साल 23 जुलाई से आठ अगस्त के बीच खेले जाएंगे। आईओसी की बोर्ड बैठक के बाद कॉन्फ्रेंस में जब बाक से वैक्सीन के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, वह समाधान नहीं है, लेकिन उनसे खेलों को आयोजित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, हमें नहीं पता कि विश्व कल कैसा होगा। इसलिए आप हमसे कैसे उम्मीद कर सकते हैं कि हम आपको बता दें कि आज से 320 दिन बाद विश्व कैसा होगा। बाक ने कहा कि खिलाड़ियों को भी सहयोग देना होगा और जो भी गाइडलाइंस बनाई जाएं उनका सावधानी से पालन करना होगा।उन्होंने कहा, कोई भी अपनी तरफ देखकर यह नहीं कह सकता कि मैं यह नहीं चाहता या मुझे नहीं लगता कि यह सही है। वायरस से लड़ाई लड़ने में आपको एकता दिखानी होगी। अगर माहौल को सुरक्षित रखने के लिए आपको क्वारंटीन रहने की जरूरत है तो आपको क्वारंटीन रहना होगा।

टेनिस- कोरोना महामारी के बावजूद फ्रेंच ओपन में दर्शकों को प्रवेश की अनुमति

डिजिटल डेस्क, पेरिस।

फ्रांस में कोरोनावायरस मामलों में हो रही लगातार बढ़ोतरी के बावजूद साल का ग्रैंड स्लैम-फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट में दर्शकों को स्टेडियम में प्रवेश की अनुमति होगी। आयोजकों ने बताया कि फ्रेंच ओपन में एक दिन में दर्शकों की अधिकतम संख्या 1500 तक रखी गई है। क्ले कोर्ट पर खेले जाने वाले फ्रेंच ओपन का आयोजन मई में होना था, लेकिन कोरोना वायरस महामारी के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था और अब इसका आयोजन 27 सितम्बर से 11 अक्टूबर तक होगा। रोला गैरों को तीन मुख्य कोर्ट पर तीन जोन में बांटा जाएगा और दर्शक भी उस हिसाब से विभाजित रहेंगे। तीसरे सबसे बडे कोर्ट पर एक दिन में केवल 1500 दर्शकों को ही प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। फ्रेंच टेनिस महासंघ (एफटीएफ) के अध्यक्ष बर्नार्ड जियूडिसेल्ली ने कहा, अंतर्राष्ट्रीय टेनिस की बहाली के बाद यह पहला टूर्नामेंट होगा जिसमें दर्शक मौजूद होंगे। एफटीएफ ने आगे कहा कि टूर्नामेंट के क्वोलीफाइंग राउंड बिना दर्शकों के ही खेले जाएंगे। संस्था ने साथ ही कहा कि सभी लोगों के लिए मास्क पहनना अनिवार्य होगा। इस बीच, वर्ल्ड नंबर-1 और मौजूदा विजेता आस्ट्रेलिया की महिला टेनिस खिलाड़ी एश्ले बार्टी ने ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट-फ्रेंच ओपन से नाम वापस ले लिया है।

संक्षिप्त समाचार

टी20 ब्लास्ट : फिल की जगह मैक्लेओड ससेक्स टीम में शामिल

लंदन । इंग्लिश काउंटी क्रिकेट क्लब ससेक्स ने टी20 ब्लास्ट के बाकी बचे मैचों के लिए स्कॉटलैंड के बल्लेबाज कैलम मैक्लेओड के साथ करार किया है। 31 साल के मैक्लेओड ससेक्स की टीम में फिल साल्ट की जगह लेंगे। साल्ट को आस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज के लिए इंग्लैंड की टीम में रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर शामिल किया है। दोनों देशों के बीच तीन मैचों की सीरीज शुक्रवार से ओल्ड ट्रेफर्ड पर शुरू हो रही है। 2008 में इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले से अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले मैक्लेओड ने स्कॉटलैंड के लिए अब तक 49 टी20 और 66 वनडे मैच खेले हैं। मैक्लेओड ने कहा, ससेक्स में आने से मैं बहुत खुश हूं। यहां आने और क्रिकेट खेलने का मेरे पास शानदार मौका है। उन्होंने वनडे में अब तक 2175 और टी 20 में 1042 रन बनाए हैं।

आरसीबी का डिजिटल हेल्थकेयर पार्टनर बना मेडीबडी

नई दिल्ली । आईपीएल फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने लीग के आगामी 13वें सीजन के लिए डिजिटल हेल्थकेयर प्लेटफॉर्म-मेडीबडी को अपना आधिकारिक डिजिटल हेल्थकेयर पार्टनर चुने जाने की घोषणा की है। कोविड-19 के कारण इस बार आईपीएल संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में 19 सितंबर से खेला जाएगा। लीग के इस सीजन का पहला मैच मौजूदा विजेता मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच 19 सितंबर को अबु धाबी में खेला जाएगा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के चेयरमैन संजीव चुड़ीवाला ने कहा, हम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के साथ डिजिटल हेल्थकेयर पार्टनर के रूप में मेडिबडी का करार होने से खुश हैं। इस साझेदारी के तहत हमारा लक्ष्य मौजूदा समय में स्वास्थ्य के महत्व का संदेश देना है। बेंगलोर की टीम 13वें सीजन में अपना पहला मैच 21 सितंबर को दुबई में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेलेगी।

क्रिकेट- युवराज सिंह की आज हो सकती है संन्यास से वापसी, पंजाब के लिए घरेलू क्रिकेट में खेल सकते हैं

नई दिल्ली।

टीम इंडिया के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह संन्यास से वापसी कर घरेलू क्रिकेट में जल्द ही पंजाब के लिए खेलते दिखाई देंगे। इस बात की पुष्टि गुरुवार को हो सकती है। पंजाब क्रिकेट संघ (पीसीए) के सचिव पुनीत बाली ने इस बात की जानकारी दी है। युवराज ने पिछले साल जून में क्रिकेट के सभी फॉर्मेट को अलविदा कह दिया था। वह भारत के लिए आखिरी बार 2017 में खेले थे। पिछले महीने बाली ने उनसे संन्यास वापस ले पंजाब के युवाओं को मेंटॉर करने की बात कही थी और बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने प्रैक्टिस भी करना शुरू कर दिया है। बाली ने बुधवार को कहा, मुझे अभी तक किसी तरह से आधिकारिक पुष्टि नहीं मिली है। मैं ही वो शख्स था जिसने उनसे संन्यास वापस लेने की अपील की थी, क्योंकि मैं चाहता था कि वह युवा खिलाड़ियों को मेंटॉर करें। मुझे गुरुवार तक आधिकारिक पुष्टि मिल सकती है। अगर युवराज वापसी करते हैं तो वो वह संभवत- पंजाब के लिए सिर्फ टी-20 फॉर्मेट ही खेलेंगे। बाली ने कहा- युवराज पंजाब के युवा खिलाड़ियों- शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, प्रभसिमरन सिंह और अनमोलप्रीत सिंह के साथ मोहाली के पीसीए स्टेडियम में काम कर रहे हैं। पंजाब के ऑफ सीजन शिविर में उन्होंने कुछ

अभ्यास मैच भी खेले थे और यही वो समय था जब बाली ने उनसे वापसी की अपील की थी। युवराज ने भारत के लिए 304 वनडे, 40 टेस्ट और 58 टी-20 मैच खेले हैं।

कोविड ने महिला क्रिकेट को ज्यादा प्रभावित नहीं किया : मंधाना

नई दिल्ली। भारत की स्टार महिला बल्लेबाज स्मृति मंधाना का मानना है कि इस समय जारी कोविड महामारी ने महिला क्रिकेट पर उतना प्रभाव नहीं डाला है, जितना पुरुष क्रिकेट पर डाला है। महिला क्रिकेट में आखिरी मुकाबला भारत और आस्ट्रेलिया के बीच टी-20 विश्व कप के फाइनल मैच के तौर पर मेलबर्न क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया था। तब से महिला क्रिकेट रुका हुआ है। भारत का इंग्लैंड दौरा, आस्ट्रेलिया का दक्षिण अफ्रीका दौरा, दक्षिण अफ्रीका का इंग्लैंड दौरा कोविड के कारण ही रद्द कर दिया गया था। अब हालांकि 21 सितंबर से इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच शुरू हो रही पांच मैचों की टी-20 सीरीज से महिला क्रिकेट की वापसी हो रही है।मंधाना ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, मैं यह नहीं कह सकती कि कोविड-19 ने महिला क्रिकेट को ज्यादा प्रभावित किया है। आस्ट्रेलिया में खेले गए टी-20 विश्व कप के बाद से महिला क्रिकेट को अच्छी पहचान मिली थी। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि महिला क्रिकेट विश्व कप के बाद होती तो यह खेल के लिए अच्छा होता। अब हमें दोबारा शुरू करना होगा और लय हासिल करनी होगी। बाएं हाथ की इस बल्लेबाज ने बताया कि भारतीय खिलाड़ियों ने लॉकडाउन में ही ट्रेनिंग शुरू कर दी थी और अपने घरों में फिटनेस ट्रेनिंग कार्यक्रम पर काम कर रही हैं। मंधाना ने कहा, यह सही बात है कि महिला विश्व कप के फाइनल के बाद से हमने किसी तरह की क्रिकेट नहीं खेली है, लेकिन हम सभी ने लॉकडाउन में ही ट्रेनिंग करना शुरू कर दी थी। हम में से हर कोई घर में फिटनेस पर काम कर रही हैं। उन्होंने कहा, लेकिन मैच प्रैक्टिस सेशन ऐसी चीज है जो काफी अलग है, इसलिए बाद में इसे देखते हैं। इसी महामारी के कारण 2021 में न्यूजीलैंड में होना वाला महिला विश्व कप 2022 तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। मंधाना ने कहा है कि टीम टूर्नामेंट की अच्छी तैयारी कर रही है और अब उन्हें एक साल का अतिरिक्त समय मिलेगा जिसके कारण वह विश्व कप की ट्रॉफी उठाने के लक्ष्य को लेकर काम करेंगे। उन्होंने कहा, अगर यह स्थगित नहीं होता तो हम पिछले साल से विश्व कप की तैयारी कर रहे थे। लेकिन हां, अब हमें विश्व कप की तैयारी के लिए एक साल और मिल गया है। इसलिए अब चीजें और बेहतर तरीके से होंगी। 24 साल की मंधाना टी-20 विश्व कप में टीम की उप-कप्तान थी।

चीन के ग्वांगझोउ में खुला दुनिया का सबसे बड़ा एनबीए स्टोर

बीजिंग । एनबीए चीन और टॉपस्पोर्टस ने गुआंगडोंग प्रांत के ग्वांगझोउ में दुनिया का सबसे दुनिया का सबसे बड़ा एनबीए स्टोर खोलने की घोषणा की हैं। टॉपस्पोर्टस द्वारा संचालित यह एनबीए स्टोर झिउ रोड में खोला गया है। दो मंजिला यह स्टोर 2680 स्कवॉयर मीटर में फैला हुआ है। स्टोर में जर्सी, फुटवेयर, ट्रेडिंग कार्ड, हेडवीयर और बास्केटबॉल है। एनबीए चीन के सीईओ माइकल मे ने कहा, ग्वांगझोउ में दुनिया के सबसे बड़े एनबीए स्टोर का उद्घाटन चीन में हमारे प्रशंसकों के लिए लीग की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। इस ब्रांड के नए फ्लैगशिप स्टोर का उद्देश्य एक अत्याधुनिक सामाजिक अनुभव प्रदान करना है, जिससे प्रशंसकों को एक रोमांचक एनबीए क्लब के लिए तैयार किया जा सके।

बिग थ्री फॉर्मूले ने आईसीसी को काफी नुकसान पहुंचाया : एहसान मनी

नई दिल्ली।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के चेयरमैन एहसान मनी ने कहा है कि बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष एन श्रीनिवासन और इंग्लैंड तथा आस्ट्रेलिया ने आईसीसी के बिग-3 फॉर्मूले का काफी नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने साथ ही कहा कि इन तीनों देशों ने विश्व क्रिकेट को काफी नुकसान पहुंचाया है। मनी 2003 से 2006 तक आईसीसी चेयरमैन रह चुके हैं। उनका मानना है कि इस फॉर्मूले को आईसीसी के अन्य सभी सदस्यों पर लागू किया गया था। उन्होंने साथ ही आरोप लगाया कि आईसीसी के राजस्व को साझा करने के मुद्दे पर जो देश सहमत नहीं होते थे, बिग-3 देश उनके साथ नहीं खेलने की धमकी देते थे। मनी ने आईएएनएस को दिए एक विशेष साक्षात्कार में कहा, मैं बेहद भाग्यशाली था कि मेरे समय में आईसीसी में सभी सदस्यों का एक संगठित बोर्ड था। बिग-3 ने इस संतुलन को बुरी तरह से बर्बाद कर दिया, इसलिए इसे बिग-3 कहा गया। भारत, इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया एकजुट हो गए और जो चीज दूसरों के हित में नहीं था, उसे लागू किया। जो उनके बदलाव से सहमत नहीं थे, उनके साथ नहीं खेलने की धमकी दे रहे थे। अब हर कोई अस्वस्थ वातावरण (आईसीसी में) के अपने हितों की देखभाल करने के लिए चिल्ला रहा है। उन्होंने कहा, बिग थ्री फॉर्मूला, क्रिकेट के किसी भी प्रारूप के हित में नहीं था। इसने विश्व क्रिकेट को काफी नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने वैश्विक विकास निधि और आईसीसी के सहयोगी सदस्य देशों से पैसा छीन लिए। यह बात थी पूरी तरह से अवांछनीय थी। आईसीसी की सभी प्रमुख टूर्नामेंटों को इन तीन देशों-भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच बांटा गया। शशांक मनोहर ने श्रीनिवासन की जगह ले लिया, जिसे आईसीसी के लिए नामित होने के कारण बीसीसीआई ने हटा दिया था। इसके बाद वह 2014 में आईसीसी के पहले स्वतंत्र चेयरमैन बने थे। पूर्व तेज गेंदबाज मनी ने बिग थ्री पद्धति को खत्म करने के लिए मनोहर की तारीफ की, लेकिन उन्होंने साथ ही कहा कि आईसीसी के सदस्य देशों के भीतर वित्तीय समानता और सद्भाव लाने के लिए अभी बहुत काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, मनोहर ने इस क्षति को रोकने की काफी कोशिश की। लेकिन अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है और यह केवल आईसीसी की नियमित समीक्षा के माध्यम से ही किया जा सकता है, अन्यथा कई देश दिवालियापन हो जाएंगे। मनी ने कहा, मनोहर के प्रति मेरे अंदर काफी सम्मान है। मुझे लगता है कि वह सुपर हैं। वह बहुत अच्छे थे। मुझे लगता है कि वह निर्णय लेने वाले थे। मनोहर का आईसीसी के चेयरमैन के रूप में दो साल का कार्यकाल 2017 में खत्म हो गया था।

मुक्केबाज नीरज की आमिर को चुनौती-आपका समय और आपकी जगह

नई दिल्ली। भारत के मुक्केबाज नीरज गोयट ने गुरुवार को एक बार फिर पूर्व विश्व विजेता मुक्केबाज आमिर खान को चुनौती दी है।पिछले साल नीरज का कार एक्सीडेंट हो गया था, जिसमें उन्हें काफी चोटें आई थीं। इसी के कारण उनकी पाकिस्तानी मूल के आमिर के साथ होने वाला डब्ल्यूबीसी पर्ल विश्व चैम्पियनशिप मुकाबला टल गया था। 27 साल के मुक्केबाज अब पूरी तरह से फिट हैं और मुकाबला लड़ने को तैयार हैं। आईएएनएस से बात करते हुए नीरज ने कहा कि उनके और आमिर के बीच में होना वाला मुक्केबाजी मुकाबला अब कराया जाना चाहिए क्योंकि कोविड-19 के बीच अब खेल गतिविधियां शुरू होने लगी हैं। उन्होंने कहा, जहां भी वो कहें, जब भी वो कहें, मैं मुकाबला करने को तैयार हूं। मैं रिंग में उन्हें देखना चाहता हूं। वह चैम्पियन मुक्केबाज हैं और उन्हें हराकर मुझे संतुष्टि मिलेगी। मैं उन्हें खचाखच भरे स्टेडियम में नॉक आउट करना चाहता हूं। मैं जानता हूं कि आयोजक कोविड-19 को लेकर चिंतित हैं। इसलिए कोई समस्या नहीं है, वह लोग अपना समय ले सकते हैं और फिर मुकाबले की योजना बना सकते हैं। नीरज ने कहा, मुझे पूरा भरोसा है कि हमारा मुकाबला भारत में पेशेवर मुक्केबाजी को बढ़ावा देगा। मैं आमिर से लगातार फोन पर बात करता रहता हूं। हम रिंग के बाहर दोस्त हैं, लेकिन रिंग के अंदर हम पूरी तरह से अलग हैं। नीरज ने अमेरिका गए विकास कृष्ण को भी बधाइयां दीं। उन्होंने कहा, वह वहां ट्रेनिंग के लिए जा रहे हैं। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं और मुझे लगता है कि वह अगले साल ओलम्पिक में स्वर्ण पदक जीतेंगे। उनके अंदर वो जुनून है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार-समाचार

गाजियाबाद: बेटी से छेड़छाड़ की शिकायत करने थाने पहुंचा परिवार, तो आरोपियों ने घर में घुसकर मारा

गाजियाबाद. यूपी के गाजियाबाद में ईव टीजिंग की बढ़ती घटनाएं किसी से छिपी नहीं हैं. लेकिन छेड़छाड़ का विरोध करने पर जो दबंगई चल रही है, वो चिंताजनक है. ताजा मामला गाजियाबाद के ताना लोनी की सेवा धाम चौकी का है. यहां शांति विहार कॉलोनी में युवती से छेड़छाड़ को लेकर दो पक्षों में जमकर हंगामा हुआ और 8 लोग जख्मी हो गए.

युवती से छेड़छाड़ को लेकर हुआ विवाद

दोनों पक्षों के बीच पिछले कुछ दिनों से लड़की के साथ छेड़छाड़ करने को लेकर आपसी विवाद था. पीड़ित परिवार ने बताया लगभग 2 महीने पहले आरोपी युवक ने घर में घुसकर उनकी बेटी से छेड़छाड़ की कोशिश की. जब युवती ने शोर मचा दिया तो आरोपी को युवती के परिजनों और पड़ोसियों ने कमरे में बंद कर दिया.

शिकायत के बाद भी पुलिस ने कुछ नहीं किया

इस मामले की शिकायत सेवा धाम चौकी पर दी गई थी, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की. यहां तक कि आरोपी युवक के परिजनों ने पीड़ित पक्ष पर दबाव बनाकर समझौता भी करा लिया. हालांकि समझौते के बाद भी दोनों पक्ष आमने-सामने आते रहे.

पीड़ित पक्ष फिर शिकायत करने पहुंचा, तो आरोपी ने मारा

एक बार फिर जब दोनों पक्षों के बीच आपसी कहासुनी और गाली-गलौज हुई तो पीड़ित पक्ष शिकायत करने के लिए पुलिस के पास पहुंचा. इस पर पुलिस ने उन्हें बिठाए तो रखा लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की.

जब शाम को वे घर पहुंचे तो आरोपी पक्ष पीड़ित परिवार के घर में घुस आया और लाठी-डंडे, चाकू से वार किया. पीड़ित परिवार का कहना है कि घर की महिलाओं पर भी हमला किया गया. जब घटना की सूचना पुलिस को दी गई तो उन्होंने घायलों को अस्पताल में भर्ती करा दिया. अगर यही मुस्तैदी पुलिस ने पहले दिखाई होती तो ये घटना ही नहीं होती.

छेड़छाड़ के विरोध में ही जा चुकी है पत्रकार की जान

गाजियाबाद में ही एक पत्रकार विक्रम जोशी की जान छेड़छाड़ के विरोध में चली गई थी. अपनी भांजी से छेड़खानी करने वालों के विरुद्ध केस दर्ज कराने के बाद आरोपियों ने उन्हें सरेराह गोली मार दी थी. उस वक्त उनके साथ उनकी दो बेटियां भी मौजूद थीं. पत्रकार की मौत के बाद ईव टीजिंग का मामला खूब गर्माया था लेकिन गाजियाबाद पुलिस अब भी इसे लेकर लचर रवैया ही दिखाती नजर आ रही है.

कंगना को सांसद नवनीत राणा का समर्थन, ठाकरे से कहा- संजय राउत से मांगें इस्तीफा

नागपुर. निर्दलीय सांसद नवनीत राणा (Navneet rana) ने अभिनेत्री कंगना रनौत (Kangana Ranaut) के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियों के लिये शिवसेना सांसद संजय राउत (Sanajy Raut) से बुधवार को इस्तीफे की मांग की.

वीडियो किया साझा

उन्होंने मुंबई नगर निगम द्वारा रनौत के बंगले का हिस्सा तोड़े जाने का वीडियो साझा करते हुए कहा, कोरोना वायरस हालात के बीच इस तरह जल्दबाजी में कार्रवाई करने की कोई जरूरत नहीं थी. उन्हें नोटिस जारी किए जाने में नियमों का पालन नहीं किया गया.

सांसद राणा ने वीडियो संदेश

अमरावती से सांसद राणा ने वीडियो संदेश में कहा, मैं शिवसेना अध्यक्ष तथा मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे (Chief Minister Uddhav Thackeray) से अनुरोध करती हूं कि या तो वह संजय राउत का समर्थन करें या अगर आप उसका (जो उन्होंने कहा था) विरोध करते हैं और महिलाओं के प्रति अच्छी भावना रखते हैं तो महिलाओं का समर्थन करते हुए राउत को संसद की सदस्यता से इस्तीफा देने के लिये कहें.

आखिरकार Rajasthan University को मिले स्थाई कुलपति, टकराव पर कही ये बात

➤पूरे 1 महीने और 27 दिन के बाद आखिरकार राजस्थान विश्वविद्यालय को स्थाई कुलपति मिल ही गया है.

जयपुर. पूरे 1 महीने और 27 दिन के बाद आखिरकार राजस्थान विश्वविद्यालय को स्थाई कुलपति मिल ही गया है. कुलाधिपति राज्यपाल कलराज मिश्र ने प्रो. राजीव जैन के नाम पर मुहर लगाई. 31 जुलाई 2020 को प्रोफेसर आर के कोठारी सेवानिवृत्त हुए थे. उसके बाद से ही लगातार कुलपति के नाम को लेकर कयास लग रहे थे.

इस बीच राजभवन की ओर से कार्यवाहक कुलपति के रूप में प्रोफेसर जे पी यादव को राजस्थान यूनिवर्सिटी का कुलपति बनाया गया. राजभवन ने इससे पहले एक बार फाइल भेजी गई थी, लेकिन राज्य सरकार की ओर से पैनल को रद्द करते हुए नए सिरे से कुलपति की तलाश करने के आदेश जारी किए गए. इसके बाद एक बार फिर से कुलपति सर्च कमेटी ने चार नामों का पैनल तैयार कर राजभवन भेजा.

करीब 1 सप्ताह पहले राजभवन इसकी फाइल भेज दी गई थी और आज राजभवन की ओर से कुलपति के नाम पर अंतिम मुहर लगी. कुलपति का पदभार ग्रहण करने के बाद प्रोफेसर राजीव जैन ने कहा कि सबसे पहले अंतिम वर्ष की परीक्षाओं को आयोजित करवाने की चुनौती है और बिना कोरोना के खतरे के परीक्षा आयोजित करवाई जाएंगी. साथ ही यूनिवर्सिटी के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को साथ लेकर आगे सारे काम किए जाएंगे.

हालांकि पिछले कुलपतियों से जुड़े विवाद के सवाल पर प्रोफेसर राजीव जैन ने कहा कि 'जहां भी टकराव की स्थिति होती है वहां विवाद उत्पन्न होता है. ऐसे में कोशिश रहेगी कि किसी भी शिक्षक कर्मचारी या अधिकारी के साथ विवाद ना हो. क्योंकि यदि विवाद होता है तो इसमें यूनिवर्सिटी की तरक्की और काम ही रुकते हैं. इसलिए बिना टकराव के यूनिवर्सिटी को आगे ले जाने का काम किया जाएगा.

हड़ताल पर पटना नगर निगम के 8000 कर्मचारी, बदतर हो सकती है पटना की स्थिति

पटना. बिहार में पटना नगर निगम (Patna Municipal Corporation) के अधिकारी और सफाई कर्मियों के बीच मांगों को लेकर विवाद खत्म होता नजर नहीं आ रहा है. नगर निगम के करीब आठ हजार सफाई कर्मी आज से हड़ताल चले गए हैं. हड़ताल में स्थाई और अस्थाई कर्मचारी भी शामिल हो रहे हैं.

दैनिक मजदूरों की सेवा पर रोक लगाने के सरकार के फैसले का विरोध करते हुए सफाई कर्मियों ने हड़ताल पर जाने का ऐलान किया है. दरअसल, फरवरी 2020 में भी नगर निगम के कर्मी हड़ताल पर चले गए थे. उस समय निगम के आश्वासन के बाद कर्मचारियों ने अपना आंदोलन खत्म कर दिया था. निगम ने भरोसा दिया था कि जल्द ही कर्मचारियों की नियुक्ति स्थाई की जाएगी. लेकिन समझौते का कार्यान्वयन अब तक नहीं किए जा सका है.

इस हड़ताल में पटना नगर निगम के सफाई कर्मचारी, दफ्तर में काम करने वाले चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी भी इस हड़ताल में शामिल हो रहे हैं. पटना नगर निगम के संयुक्त कर्मचारी संघ की अगुवाई में हड़ताल की जाएगी. चतुर्थ वर्ग कर्मचारी अपनी नियुक्ति स्थाई करने की मांग को लेकर हड़ताल पर जा रहे हैं.

साथ ही, कर्मचारियों ने 8 फरवरी 2020 के समझौते को तोड़ने का नगर निगम पर आरोप लगाया है. 8 हजार कर्मचारियों के हड़ताल पर जाने की वजह से पटना में सफाई व्यवस्था ठप हो सकती है.

केरल के पूर्व सीएम बनाने जा रहे हैं ये रिकॉर्ड, बापू से मिली इस बात की प्रेरणा

तिरुवनंतपुरम .केरल (Keral) के पूर्व मुख्यमंत्री ओमान चांडी (Oman Chandi) अगले महीने इतिहास बनाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वह कोट्टायम (Kottayam) जिले के पुथुपल्ली (Puthupalli) विधानसभा क्षेत्र से विधायक के रूप में अपने 50 साल पूरे करने वाले हैं. दो बार केरल के मुख्यमंत्री रह चुके ओमान ने एक विधायक के रूप में अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत साल 1970 के विधानसभा चुनावों के बाद की.

26 की उम्र में जीता पहला चुनाव

करीब 26 साल की उम्र में चांडी ने पहली बार चुनावी लड़ाई जीती और तब से वो लगातार विधानसभा चुनावों में अपनी जीत दर्ज करा रहे हैं.

साल 2011-16 तक मुख्यमंत्री रहे चांडी को वर्तमान मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और सीपीआई-एम के राज्य सचिव कोडियरी बालाकृष्णन के नेतृत्व वाले सीपीआई-एम के हमलों का सामना करना पड़ा. विधायक के रूप में 50 साल पूरे करने के साथ ही वह पहले कांग्रेस नेता होंगे, जिन्होंने यह रिकॉर्ड बनाया है.

50 साल तक पुथुपल्ली से लगाव

अपने लंबे राजनीतिक करियर से जुड़े सवाल के जवाब में उन्होने कहा कि 50 साल तक विधायर कहना उनकी उपलब्धि नहीं है, उन्होने कहा कि वो अपनी पार्टी के कर्जदार हैं जिसने उन्हे 1970 के बाद से सभी चुनाव लड़ने की अनुमति दी. उन्होने ये भी बताया कि पुथुपल्ली में उनके चाहने वालों और मतदाताओं का उन्हे बराबर योगदान मिला, जिन्होंने ये सुनिश्चित किया कि हर बार वो ही चुनाव लड़ें.

बापू के जीवन से मिली प्रेरणा

लंबे राजनीतिक करियर में जनसेवा की प्रेरणा कहा मिली इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि 'महात्मा गांधी उनके रोल मॉडल रहे हैं, क्योंकि उन्होंने हमेशा दिखाया कि उन्होंने जो कहा, उसमें विश्वास किया और उस पर अमल किया.गौरतलब है कि ओमन चांडी का परिवार अलाप्पुझा जिले से ताल्लुक रखता है, हालांकि उनके दादाजी बाद में पुथुपल्ली में जाकर बस गए थे. जैसे ही विजयन ने सत्ता संभाली, केरल पुलिस ने चांडी और अन्य राजनीतिक नेताओं के खिलाफ सरिता नायर की शिकायत के आधार पर गैर-जमानती मामले दर्ज किए. इनमें कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल भी शामिल थे.

बनना था हाथ का सहारा, भाई ने कुल्हाड़ी से पैर ही काट दिए

जशपुर. जशपुर जिले के बगीचा थाना क्षेत्र में जमीन विवाद को लेकर भाई ने बेटे के साथ मिलकर सगे भाई पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया और भाई के दोनों पैर व एक हाथ काट दिया.

जिससे वह लहुलूहान होकर गिर गया. सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से उसे इलाज के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया, लेकिन इलाज के दौरान मौत हो गई.

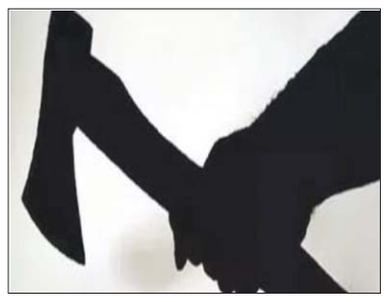

बगीचा थाना प्रभारी भास्कर शर्मा ने बताया कि बुधवार की दोपहर जमीन को लेकर दो भाइयों खिरोधर यादव और गणेश यादव के बीच कहासुनी हो गई. कहासुनी इतनी बढ़ी कि गणेश यादव ने अपने बेटे साथ मिकर भाई खिरोधर यादव पर हमला कर दिया.

जिससे खिरोधर गिर गया. इस दौरान बाप और बेटे ने खिरोधर के दोनों पैर कुल्हाड़ी से मारकर अलग कर दिए. इसके बाद भी दोनों नहीं रुके और खिरोधर का एक हाथ भी कुल्हाड़ी से काट दिया. फिलहाल दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है. दोनों से थाने में पूछताछ की जा रही है. जांच के बाद दोनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी.

गाजियाबाद: 9 पुलिसकर्मियों को SSP ने किया बहाल, लापरवाही के आरोप में हुए थे सस्पेंड

गाजियाबाद. एसपी कलानिधि नैथानी ने गाजियबाद में निलंबित किए गए 9 पुलिसकर्मियों को बहाल कर दिया है. ये पुलिसकर्मी अलग-अलग आरोपों के क्रम में निलंबित किए गए थे. कई महीने से निलंबित चल रहे 9 पुलिसकर्मियों की बहाली के बाद उन्हें कर्तव्यनिष्ठा से काम करने के निर्देश दिए गए हैं.

जिन पुलिसकर्मियों को बहाल किया गया है उनमें, दो उपनिरीक्षक जफर अली और कमलजीत, एक मुख्य आरक्षी चालक सियाराम और 6 आरक्षी सचिन शर्मा, सुधीर कुमार, धीरेंद्र सिंह, रोबिन, मोहम्मद आसिफ, अमित कुमार शामिल हैं. स्स्क कलानिधि नैथानी ने निलंबन से बहाल किए गए सभी पुलिसकर्मियों को जनहित में पारदर्शिता के साथ पूर्ण मनोयोग से अपनी ड्यूटी करने का निर्देश दिया है. दूसरी ओर गाजियाबाद के ही साहिबाबाद के सीओ केशव कुमार ने वर्ष 2020, थाना साहिबाबाद में तीन अलग-अलग गैंगस्टर अधिनियम के केस में वांछितों पर वर्ष 2020 में कोई भी कार्रवाई न करने और एक मर्डर केस में लापरवाही बरतने की रिपोर्ट के आधार पर निरीक्षक अनिल शाही को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है.

SSP कलानिधि नैथानी ने निलंबन से बहाल किए गए सभी पुलिसकर्मियों को जनहित में पारदर्शिता के साथ पूर्ण मनोयोग से अपनी ड्यूटी करने का निर्देश दिया है.

टोंक में नाबालिग बच्चों को पेड़ पर बांधकर पिटाई, 6 लोग गिरफ्तार

टोंक. राजस्थान के टोंक जिले के देवली में नाबालिग बच्चों की पेड़ पर बांधकर पीटाई मामले में ज़ी राजस्थान न्यूज की खबर का बड़ा असर हुआ है. कुम्भकर्णी निंद में सो रही टोंक पुलिस के अधिकारियों ने जयपुर मुख्यालय से लगी फटखार के बाद तुरत फूरत में कार्रवाई करते हुए 6 लोगों को गिरफ्तार किया है.

वहीं, चोरी के मामले में जुनाइल जस्टिस एक्ट के तहत भी मामला दर्ज किया गया है. साथ देवली थाना क्षेत्र के देवली गांव में चोरी और बच्चों से मारपीट को लेकर कुल तीन मामले पुलिस थाने में दर्ज किए गए हैं. बीते दिन देर शाम देवली पहुंचे मालपुरा एएसपी गौवर्धनलाल सौंकरियां ने बताया है कि देवली गांव के रैगर मोहल्ले में आयुर्वेदिक अस्पताल, दुकान और एक वैन से टेप चोरी की घटना हुई थी. जिस पर आरोपी नरेंद्र, रामराज, धर्मराज, छोटूखान, सतेंद्र ने दोनों नाबालिक बच्चों को पकड़ कर उनके साथ मारपीट की और छोटूखान ने वीडियो बनाकर वाइरल कर दिया.

साथ ही एक अन्य आरोई अम्बालाल बागरिया है जिसके यह दोनों बच्चे बताए जा रहे उसकों चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया है. वीडियो वायरल और मारपीट के मामले में पुलिस की ओर से दो प्रकरण दर्ज किए गए हैं.

साथ ही एक मामला ग्रामीणों ने भी दर्ज करवाया है चोरी को लेकर. फिलहाल चोरी और वायरल वीडियों में बच्चों से मारपीट कर रहे लोगों की पहचान के आधार पर 6 लोगों को गिरफ्तार किया है और पूछताछ की जा रही है.

आपकों बता दे बीते दिन देवली गांव में दो बच्चों को पेड़ पर लटकाकर कई घंटों तक जमकर लकड़ियों से पीटा गया था. ज़ी राजस्थान न्यूज ने जब खबर को प्रमुखता से दिखाया तो पुलिस मुख्यालय जयपुर से आलाधिकारियों ने टोंक पुलिस अधीक्षक ओमप्रकाश से पूरी घटना की जानकारी ली और तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए गए. इसके बाद एएसपी मालपुरा गौवर्धन लाल सौंकरिया देवली थाने पहुंचे और कार्रवाई को अंजाम दिया गया.

औरैया: पैसे मांगने गए बुजुर्ग व्यापारी को ईंट से कुचल कर बेरहमी से मार डाला

उत्तर प्रदेश के औरैया जिले में एक बुजुर्ग व्यापारी की बेरहमी से हत्या करने का मामला सामने आया है. हत्या की वजह पैसों को लेकर हो रहे विवाद को बताई जा रही है.

औरैया. उत्तर प्रदेश के औरैया जिले में एक बुजुर्ग व्यापारी की बेरहमी से हत्या करने का मामला सामने आया है. हत्या की वजह पैसों को लेकर हो रहे विवाद को बताई जा रही है. व्यापारी की हत्या से शहरभर में सनसनी फैल गई है. फिलहाल पुलिस ने केस दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, वहीं दो लोगों को हत्या के आरोप में हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है.

मृतक का नाम कैलाश नारायण दीक्षित है और वो औरैया के दिबियापुर तिराहा का रहने वाला है. व्यापार के चलते कैलाश नारायण का पैसा कई जगह बंटा हुआ था. आरोप है कि बुधवार को जब मृतक धान मिल संचालक कुंवर बहादुर से अपने 25 लाख रुपये लेने गया तो कुंवर बहादुर ने हाकिम और एक अन्य साथी के साथ मिल कर चाय में नशीला पदार्थ मिला कर उसे बेहोश कर दिया और बाद में रॉड और ईंट से कुचल कर उसकी हत्या कर दी. इसके बाद आरोपी शव को ठिकाने लगाने की फिराक में भटकते रहे. देर रात हत्यारों ने शव को सौंधेमऊ जौरा रोड पर फेंक फरार हो गए. मृतक के बेटे का कहना है कि आरोपी कुंवर बहादुर 10 साल से उसके पिता कैलाश नाथ दीक्षित के साथ व्यापार कर रहा था और उसके पास मृतक के 25 लाख रुपये बकाया थे. जब कैलाश नाथ उससे रुपये लेने गया तो उसकी चाय में बेहोशी की दवा मिला कर, गाड़ी से खेतों में ले जाकर बेरहमी से उसकी हत्या कर दी गई. पुलिस अधीक्षक सुनीति ने बताया कि मृतक के परिजनों की शिकायत पर कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है और उनके पास से मृतक का सामान भी बरामद हुआ है. पूरे मामले की जांच जारी है. जल्द खुलासा किया जाएगा.

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रंगबिरंगे फूलों की घाटी मनाली

आग बरसाते जून के महीने में पहाड़ी वादियों की ठंडक तन और मन को बेहद आराम देती है। यदि आप ठंडे और शांत माहौल की तलाश में हैं तो भी मनाली आपको खूब भाएगा। यही सोचकर भारी संख्या में पर्यटकों ने पहाड़ों का रुख कर लिया है। आप भी कहीं जाने की बात सोच रहे हैं तो आपके लिए हिमाचल प्रदेश का मनाली एक अच्छी जगह साबित हो सकती है। आप एडवेंचर के शौकीन हैं तो आपके लिए यहां ट्रैकिंग, माउंटेनियरिंग, स्कीइंग, पैरा ग्लाइडिंग आदि की व्यवस्था मिल जाएगी।

प्रकृति ने मनाली को खुले हाथों से नूर बख्शा है। कुल्लू घाटी के प्रमुख पर्यटक स्थल मनाली में आकर हर कोई अपने आपको स्वर्ग में पाता है। हरी भरी वादियों ऊंचे-नीचे पहाड़ों पर दूर-दूर तक दिखाई देते देवदार के छोटे-बड़े पेड़ प्राकृतिक सौंदर्य को दोगुना कर देते हैं। इनके बीच घुमावदार पहाड़ी पगडंडियों पर चलते लोगों को देखकर खुद भी ट्रैकिंग का मन कर आता है।

दिल्ली से लगभग साढ़े पांच सौ किलोमीटर की दूरी पर स्थित मनाली को रंगबिरंगे फूलों की घाटी भी कहा जाता है। दिसंबर के महीने में यहां हरियाली दूर-दूर तक देखने को नहीं मिलती। कारण है कि पहाड़ों, पेड़ों और घरों पर बर्फ की सफेद चादर जो फैली होती है।

गर्मी के मौसम में यहां का तापमान 10 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है। लेकिन सर्दी के मौसम में ज्यादातर दिनों में सात डिग्री से नीचे पहुंच जाता है। यहां आने के लिए गर्मी के लिहाज से मार्च से जून और ठंड के लिहाज से अक्टूबर से फरवरी के महीने ज्यादा ठीक रहते हैं।

देखने लायक खास स्थल :

कुल्लू घाटी का असली सौंदर्य मनाली में ही देखने को मिलता है। यहां देखने और घूमने के लिहाज से बहुत से मशहूर स्थल हैं। यहां की सुरमई शाम अलसाती भोर का मजा ही कुछ और है।

कोठी : मनाली से 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है कोठी। यहां से पहाड़ों का मनोरम दृश्य दिखाई देता है। यहां बीस नदी का तेजी से बहता ठंडा पानी अदभुत नजारा पेश करता है।

राहला फॉल्स, मनाली सैंचुरी : कोठी से दो किमी की दूरी पर बीस नदी पर राहला फॉल्स स्थित है। यहां 50 मीटर की ऊंचाई से गिरता झरने का पानी सैलानियों को खूब लुभाता है। मनाली सैंचुरी में पर्यटक कैपिंग के लिए पहुंचते हैं।

सोलन वैली : यहां से 13 किलोमीटर की दूरी पर स्थित सोलन वैली सैलानियों को खासी आकर्षित करती है। यहां ट्रैकिंग, स्कीइंग और माउंटेनियरिंग के कैंप आयोजित किए जाते हैं। 10 से 14 फरवरी के बीच यहां सालाना विंटर कार्निवाल का आयोजन किया जाता है।

रोहतांग भी है मनाली के पास : मनाली के आस-पास के इलाकों में सैलानियों के लिए बहुत कुछ बिखरा पड़ा है। प्रकृति ने यहां आने वालों के लिए अपना खजाना दोनों हाथों से खोल दिया है। पहाड़ियों पर बने छोटे-छोटे घर और इनके आस-पास फैली हरियाली मन को लुभाती है। यहां से 51 किमी की दूरी पर मशहूर पर्यटक स्थल रोहतांग पास स्थित है। यहां हर साल हजारों की संख्या में सैलानी घूमने के लिए आते हैं। पिछले कुछ वर्षों से इस तरफ पर्यटकों की भीड़ बढ़ने लगी है।

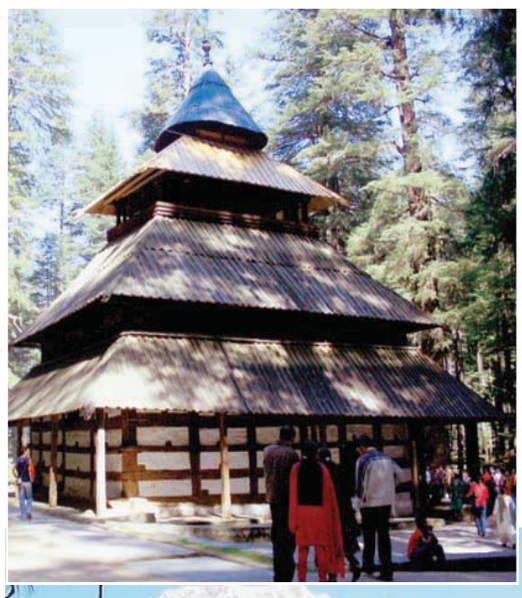

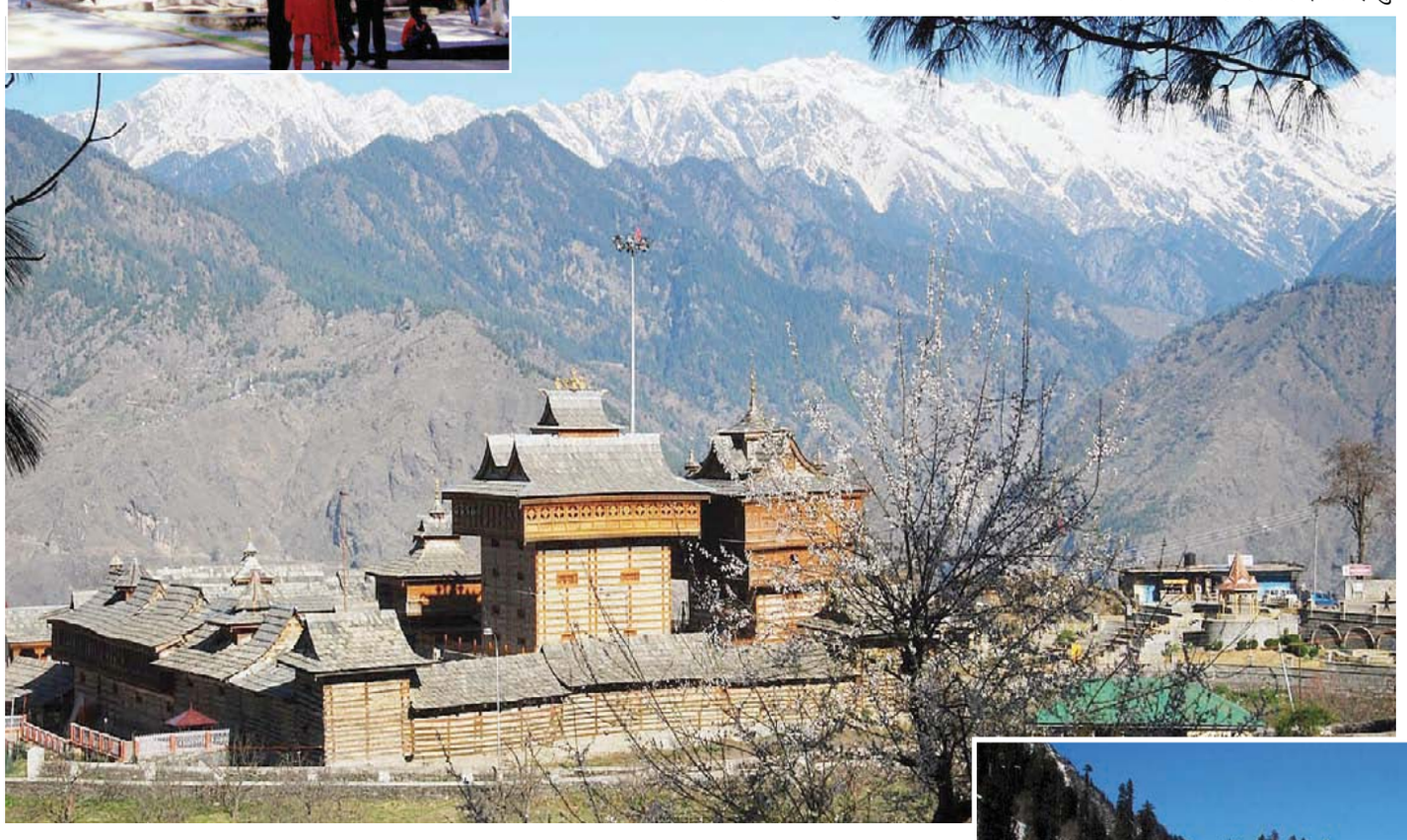

इसलिए अब सरकार ने भी इसे पर्यटन के लिए लिहाज से उपयुक्त समझा है। यह शहर समुद्रतल से 7,589 फुट की ऊंचाई पर स्थित है। इतिहास में इसको बुशहर नाम से भी जाना जाता है। इसके अतिरिक्त 51 शक्तिपीठों में से एक भीमाकाली माता का मंदिर भी इसी शहर में है। हिंदू और बौद्ध वास्तुशिल्प से निर्मित यह मंदिर लगभग 2,000 वर्ष पुराना है, मगर इसका जीर्णोद्धार कर इसको पुनः वही आकार दिया गया है।

पत्थरों और लकड़ी के इस्तेमाल से बना यह मंदिर शत-प्रतिशत भूकंपरोधी है। मंदिर के प्रांगण में खड़े होकर आप हिमालय को साक्षात निहार सकते हैं। इस मंदिर के नजदीक ही आपको एक पक्षी-विहार है जिसमें यहां के राज्य-पक्षी मोनाल सहित लगभग हर प्रकार के पहाड़ी पक्षी हैं। सरकार और स्थानीय लोगों के प्रयासों से रास्तों के दोनों तरफ लगाए गए तरह-तरह के फूल लहराते हुए पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

अद्भुत पर्यटक स्थल सराहन घाटी

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला और किन्नौर जिले की सीमा पर बसा सराहन स्वर्ग का एहसास कराने वाला एक सुंदर और अद्भुत पर्यटक स्थल है जो सराहन घाटी के नाम से भी जाना जाता है। यह क्षेत्र कई वर्षों तक पर्यटन के लिहाज से बचा रहा मगर अब

सराहन से लगभग सात किलोमीटर की दूरी पर यदि घाटी से थोड़ा नीचे उतरेंगे तो वहां आपको सतलज नदी का मनोहारी दृश्य मिलेगा। इसके अतिरिक्त सराहन से कुछ ही दूरी पर कामरू का ऐतिहासिक किला, चितकुल घाटी और बस्पा नदी जैसे अन्य पर्यटन स्थल भी हैं जहां आप आसानी आ-जा सकते हैं।

शहर अत्यधिक बड़ा न होने के कारण यहां यातायात के साधनों की आवश्यकता कम ही होती है इसलिए कुछ स्थानों पर पैदल भी घूमा जा सकता है। फिर भी यहां टैक्सी, बस आदि की सुविधा आसानी से मिल जाती है और महंगी भी नहीं है। पर्यटकों की सुविधा के लिए सरकार ने यहां आम से खास तक, सभी के बजट के अनुसार होटल और रेस्ट हाउस आदि का भी विशेष प्रबंध किया है।

यहां आने के लिए सर्दियां उचित समय नहीं है क्योंकि इस मौसम में यहां पर तापमान शून्य से भी नीचे ही रहता है। यहां आने के लिए मार्च से जून और सितंबर से अक्टूबर का समय बहुत ही अच्छा समय है। दिन के समय यहां का तापमान लगभग 30 से 32 डिग्री तक रहता है। मगर रात को ठंड बढ़ जाती है।

यदि अपनी गाड़ी से जा रहे हैं तो ध्यान दें कि शिमला से राष्ट्रीय राजमार्ग 22 से होते हुए रास्ते में थेयोग, नारकंडा, रामपुर और जैओरी नामक कुछ छोटे-छोटे पर्यटन स्थल भी आते हैं जहां आपको पेट्रोल पंप की सुविधा मिलेगी। शिमला से सराहन के बीच लगभग 180 किलोमीटर के इस रास्ते पर जब आप निकलेंगे तो आपका सामना देवदार के घने जंगलों, कई सारे छोटे-बड़े झरनों, खेतों एवं छोटे-छोटे अनेक गांवों से होगा।

इन गांवों से होकर जाने पर आपको उनके पारंपरिक पहनावे और संस्कृति की भी झलक देखने को मिलेगी। सराहन जाने के लिए सड़क मार्ग ही है जो शिमला से टैक्सी, जीप या बस द्वारा भी जाया जा सकता है। यह दूरी लगभग 6-7 घंटे में आसानी से तय की जा सकती है।

यह रास्ता अधिकतर सतलुज नदी के किनारे से गुजरता है, इसलिए इसकी तेज धारा आपको एक नए संगीत की से रू-ब-रू कराएगी। इसके अतिरिक्त जैसे-जैसे आप सराहन के नजदीक पहुंचेगे वैसे-वैसे आपको मार्ग के किनारे अनेक प्रकार की जड़ी-बूटियां भी नजर आने लगेंगी।

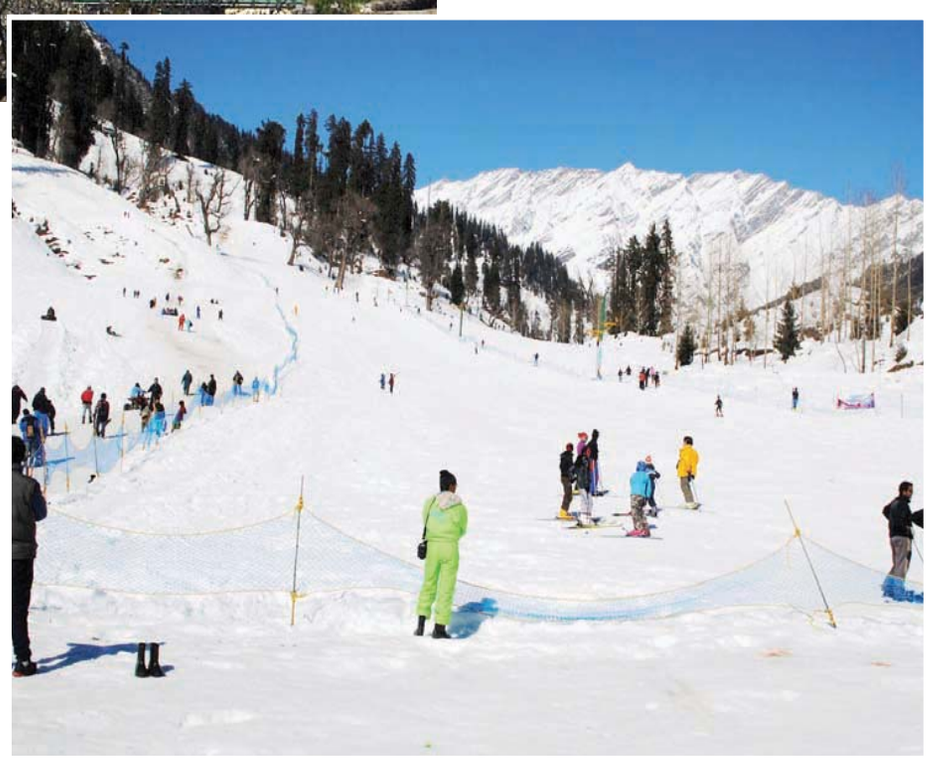

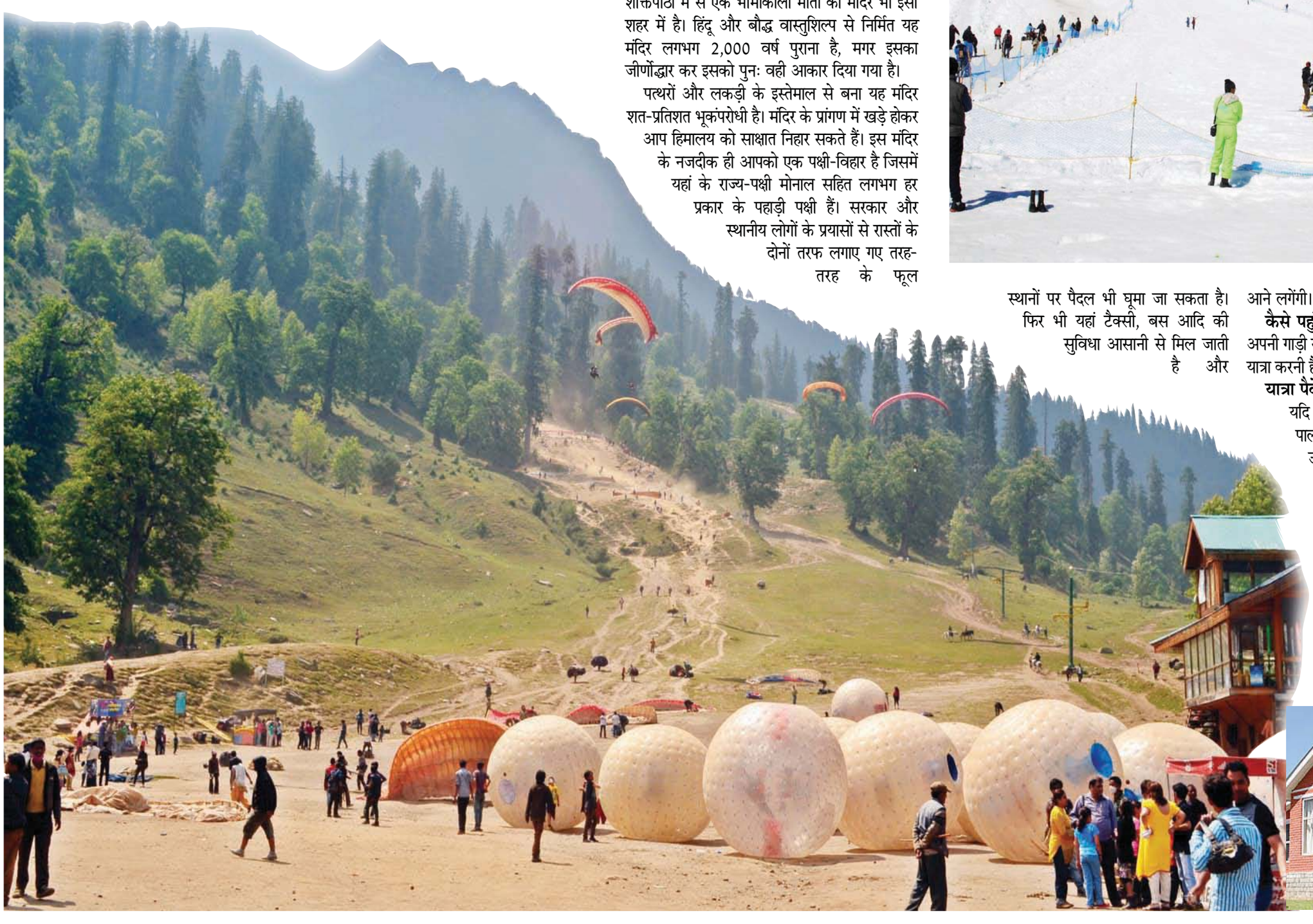

कैसे पहुंचे : मनाली जाने के लिए सड़क मार्ग से अपनी गाड़ी से या फिर बस सेवा ली जा सकती है। हवाई यात्रा करनी है तो लगभग 50 किमी से टैक्सी लेनी होगी।

यात्रा पैकेज :

यदि आने-जाने और ठहरने का कोई झंझट नहीं पालना चाहते तो कई तरह के पैकेज भी उपलब्ध हैं। तीन दिन और रात ठहरने के लिए अलग-अलग होटल में प्रति जोड़ा 11,500 रुपए से 15 हजार रुपए में ठहरना, हर दिन नाश्ता, लंच और डिनर आदि हो जाता है। 23 हजार रुपए में ठहरने, खाने के साथ लोकल साइट सीइंग, डिस्कोथेक, कॉकटेल और स्टीम या सोना बाथ की सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। हिमाचल प्रदेश पर्यटन द्वारा खुद भी कई तरह की स्कीम दी जा रही हैं जो आप ले सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

50 लाख के लेन-देन में धान व्यापारी की हत्या

मिल मालिक और नौकर गिरफ्तार

औरैया (एजेसी)। सदर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम जौरा के पास धान व्यापारी की मिल मा. लिक ने साथियों के साथ मिलकर हत्या कर दी। बताया जाता है कि मिल मा. लिक से उसका 50 लाख रुपए के लेनदेन को लेकर विवाद था। पुलिस ने मिल मालिक व नौकर को हिरासत में लिया है।

जानकारी के मुताबिक दिबियापुर रोड निवासी कैलाश नारायण दीक्षित बुधवार करीब तीन बजे घर से धान मिल जाने को कहकर निकले थे।

उनका पांच साल से मिल मालिक से धान का करीब पचास लाख रुपए के लेनदेन को लेकर विवाद चल रहा था। देर शाम तक जब कैलाश घर नहीं पहुंचे तो परिजनों को चिंता हुई।

बेटा विनय दीक्षित ने पुलिस से अनहोनी की आशंका जताई।

शंका होने पर खुद एएसपी व सीओ सिटी ने उनकी तलाश शुरू की, बेटे से पूरी बात जानने के बाद शक के आधार पर पुलिस ने मिल मालिक कुंवर बहादुर व नौकर हाकिम को हिरासत में ले लिया।

पुलिस के अनुसार पूछ. ताछ के दौरान आरोपितों ने बताया है कि कैलाश नारायण की चाय में नशीला पदार्थ मिलाकर बेहोश किया और फिर ईंट–पत्थर से कूचकर हत्या कर दी।

हत्या के बाद शव वह जौरा गांव के पास एक खेत में फेंक आए हैं,

पुलिस ने उनकी निशानदेही पर पुलिस ने शव बरामद कर लिया।

बेटे विनय ने मिल मालिक कुंवर बहादुर, नौकर हाकिम, सुधीर शुक्ला व राजीव राठौर के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

एसपी सुनीति ने बताया कि दो आरोपितों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है, बाकी फरार आरोपितों को भी जल्द पकड़ लिया जाएगा।

बाराबंकी में आत्महत्या बचाव दिवस मनाया गया

बाराबंकी(एजेसी) विश्वभर में 10 सितम्बर को विश्व आत्महत्या बचाव दिवस के रूप में मनाया जाता है इसी उपलक्ष्य में कार्यालय मुख्य चिकित्साधिकारी, बाराबंकी में भी विश्व आत्महत्या बचाव दिवस मनाया गया, जिसमें लोगों को इस बात के लिए जागरूक किया गया कि आत्महत्या जैसे व्यवहार को करने से रोका जा सकता हैं कार्यक्रम में इस वर्ष की थीम वर्किंग टूगेदर टू प्रीपेंट सुसाइड' के ऊपर फोकस करते हुए इस बात पर जोर दिया है कि आत्महत्या जैसे व्यवहार को रोकने में किसी व्यक्ति विशेष, संस्था या प्रोफेशन की ही सिर्फ जिम्मेदारी नहीं है अपितु हर एक व्यक्ति अपनी बराबर जिम्मेदारी समझे तो आत्महत्या जैसा व्यवहार जो कि एक तरह कि साइकेट्रिक इमरजेंसी है। उसकी काफी हद तक रोका जा सकता है। अगर हम आकड़ो की बात करें तो विश्व भर में प्रत्येक वर्ष लगभग 8 लाख लोग आत्महत्या करते है। जिसमें से लगभग 1 लाख 35 हजार लोग सिर्फ भारत वर्ष से होते है। इस प्रकार प्रत्येक 40 सेकेण्ड में आत्महत्या एक व्यक्तिगत

अगर कोई व्यक्ति आत्महत्या के चेतावनी संकेतो को दिखाता हो तो

घर में नुकसान दायक चीजों जैसे कि बन्दूक, दवाईयां, फिनायल को छुपाकर रखें।

आत्महत्या के बारे में व्यक्ति से सीधे बात करें।

तुरन्त मेडिकल सहायता लें।

घर का माहौल शान्तिपूर्ण एवं सपोर्टिव रखें।

व्यक्ति के प्रति प्यार, लगाव एवं परवाह जैसा व्यवहार दिखाना।

व्यक्ति से सम्बन्धित मन पसन्द कार्यो/बातों को करें।

एक व्यक्ति आत्महत्या द्वारा अपनी जान देता है। अगर हम छात्रों की बात करें तो प्रत्येक दिन लगभग 28 छात्र आत्महत्या द्वारा अपनी जान गवा देता है। अगर हम उत्तर प्रदेश की बात करें तो वर्ष 2019 में लगभग 5464 लोगों ने आत्महत्या की।

व्यवहार है लेकिन यह व्यवहार बहुत सारे व्यक्तिगत पारिवारिक एवं सामाजिक कारकों द्वारा प्रभावित होता है। हमें इस बात का ध्यान देना है कि आत्महत्या जैसे व्यवहार को न सिर्फ रोकने में अपितु उसको उकसाने में भी कहीं न कहीं हमारी भूमिका होती हैं आत्महत्या करने वाले व्यक्ति द्वारा दिखाये गये चेतावनी संकेतों को जिसमें की व्यक्ति द्वारा आत्महत्या के बारे में धमकी/बात करना, अक्रामक व्यवहार दिखाना निराशापूर्ण बाते करना नसीले पदार्थो का सेवन करना, मनोदशा में बदलाव होते रहना, सामाजिक मेल–जोल में कमी होना, भूख तथा नींद का बाधित होना आदि संकेतो को समय से पहचान कर यदि उसमें हस्तक्षेप करके एवं व्यक्ति को पारिवारिक एवं व्यवसायिक सहायता पहुचाकर उसके आत्महत्या जैसे व्यवहार को रोका जा सकता है। ठीक उसी प्रकार के प्रति किया गया हमारा नकारात्मक व्यवहार जो कि व्यक्तिगत टिप्पणी के रूप में हो सकता है, पर्व धारणा से ग्रसित हो सकता है। ऐसे सभी व्यवहार को आत्महत्या के लिए उकसा सकते है। अगर हमें आत्महत्या जैसे व्यवहार को रोकना है तो हमें व्यक्ति को न सिर्फ उसकी असफलताओं के साथ स्वीकार करना होगा बल्कि वह जिस रूप में है उस रूप में पूरे सम्मान के साथ स्वीकार करना होगा।

सार–समाचार

'आरोग्य धाम ने दिलाई महापौर समेत शहर के प्रबुद्धजनो को पौधरोपण की शपथ'

कानपुर गोविंद नगर थाना अंतर्गत रेस्टोरेंट की आड़ में हुक्का बार संचालित हो रहा

13 सितम्बर को बैट्री चलित ट्राईसाईकिल व सामूहिक विवाह के लिए भरे जायेगे फार्म

क्रांति समय संवाददाता

कानपुर राष्ट्रीय विकलांग पार्टी 13 सितम्बर को शास्त्री नगर सेन्ट्रल पार्क में विकलांग व्यक्तियों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए शिविर का आयोजन करेगी। शिविर में विकलांग व्यक्तियों के सामूहिक विवाह का पंजिकरण भी किया जायेगा। ये जानकारी राष्ट्रीय विकलांग पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव वीरेन्द्र कुमार दी है। उन्होंने बताया की सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए विकलांगजन विकलांग प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, फोटो लेकर आना अनिवार्य है। बैटरी चलित ट्राई साईकिल के लिए 80 प्रतिशत विकलांगता, पेन्शन के लिए बैंक खाता, सामूहिक विवाह के पंजिकरण के लिये शैक्षिक योग्यता के प्रमाण पत्र, फुल साईज की फोटो अनिवार्य है। शिविर में रेलवे यूनिक कार्ड, यूडीआईडी कार्ड, दिव्यांग पेशन, दुकान निर्माण व संचालन हेतु ?ण,दिव्यांग विवाह पुरस्कार योजना, ट्राईसाइकिल, बैसाखी, कान की मशीन, व्लाइन्ड स्टिक व चस्मा आदि योजनाओ के फार्म भरे जायेगे। आज की बैठक में प्रमुख रूप से राष्ट्रीय महासचिव वीरेन्द्र कुमार के अलावा अल्पना कुमारी, राहुल कुमार, अरविन्द सिंह, पवन राने, बंगाली शर्मा, जौहर अली, पुष्पेन्दर सिह, आदि शामिल थे।

उन्नाव के लखनऊ बाई पास पे सामुदायिक शौचालय का सदर विधायक ने लोकार्पण किया।

उन्नाव शहर के लखनऊ बाई पास पे सामुदायिक शौचालयों का सदर विधायक पंकज गुप्ता ने लोकार्पण किया जिसमें मौके पर प्रतिनिधि नगर पालिका अध्यक्ष मंटू कटियार,आशीष दीक्षित व तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आत्महत्या में कानपुर बना नंबर वन...ज्योति बाबा

कानपुर। नौकरी का जाना प्यार में हारना घरेलू हिंसा अनचाहा भय आर्थिक तंगी लाइलाज बीमारी इत्यादि के चलते उत्पन्न भयंकर कुंठा हताशा व निराशा का हल नशे में खोजने के कारण आत्महत्या की दर देश में खतरनाक स्तर तक पहुंच चुकी है उपरोक्त बात सोसाइटी योग ज्योति इंडिया के तत्वाधान में नशा हटाओ कोरोना मिटाओ हरियाली बढ़ाओ अभियान के अंतर्गत वर्ल्ड सुसाइड प्रीवेंशन डे के अवसर पर वर्चुअल संगोष्ठी शीर्षक नशा हिंसा बेरोजगारी कोरोना व आत्महत्या पर अंतरराष्ट्रीय नशा मुक्त अभियान के प्रमुख योग गुरु ज्योति बाबा ने कही,श्री ज्योति बाबा ने आगे कहा कि आज कम समय में सब कुछ पा लेने का जुनून शॉर्टकट रास्ता अपनाकर मंजिल पर पहुंचने तथा कानून से अपने को ऊपर समझने और ड्रग्स का सेवन करने के कारण प्रदेश में सबसे ज्यादा आत्महत्याओं की दर में कानपूर हो गया है जहां हम महाराष्ट्र के किसानों की आत्महत्याओं के बारे में पढ़कर चकित व द्रवित हो जाते थे लेकिन अब आत्महत्या के केस आपके पड़ोस में मिल जाएंगे,श्री ज्योति बाबा ने कहा की आज देश में 44 सेकंड में एक व्यक्ति आत्महत्या कर रहा है इसीलिए आत्महत्या से बचने के लिए योग ध्यान ग्रुप से जुड़कर अपनी प्रॉब्लम्स और दर्द को गुरुजन व काउंसलर से शेयर करें ज्यादा से ज्यादा सकारात्मक लोगों के साथ रहने के अलावा अंधेरे या बंद जगह में जाने से बचते हुए एकांतवास ना करें,अपने घर से स्वयं को नुकसान पहुंचाने वाली बंदूक चाकू नशा व जहर को स्वयं हटा दें अपनी समस्याओं को अपनों के बीच शेयर जरूर करें, हमेशा सोचे आप अकेले नहीं हैं क्योंकि हर दर्द का इलाज है जान है तो जहान है,ज्योति बाबा ने कहा कि अपनी उग्र भावनाओं पर नियंत्रण करने के लिए अपने धार्मिक ग्रंथों का मनन चिंतन कर जीवन में उतारें स नशा मुक्त युवा भारत अभियान के राष्ट्रीय संयोजक कुलदीप सिंह परमार एडवोकेट ने कहा की बचपन से ही पड़ी नशे की लत किशोरों और युवाओं में एकाकीपन पैदा कर काल्पनिक दुनिया को ही सत्य जान लेने की प्रवृत्ति आत्महत्या के द्वार तक पहुंचा रही है स प्रदेश संयोजक ओम नारायण त्रिपाठी ने जोर देकर कहा कि जिस देश में चींटी मरना भी पाप समझा जाता है उसी देश में अखबारों के माध्यम से पता चला कि पान मसालों में छिपकली तक पीसकर नशा बढ़ाने के लिए मिलाई जा रही है जिससे हर खाने वाले के मस्तिष्क में विकृत मानसिकता के तहत हत्या व आत्महत्या के विचार प्रबलता से आते रहेंगे स संविधान रक्षक दल के राजेंद्र कश्यप ने कहा कि सबसे दुखद पहलू यह है कि बच्चे डिप्रेशन व कुंठा के शिकार बन कर आत्महत्या को अंतिम सत्य मान रहे हैं वर्चुअल संगोष्ठी का संचालन लिम्का बुक धारी आलोक मेहरोत्रा व धन्यवाद समाज चिंतक राकेश चौरसिया ने दिया स अन्य प्रमुख सर्व श्री राम सुख यादव,स्वामी गीता, महंत राम अवतार दास,कमल यादव इत्यादि थे

वर्चुअल सभा के माध्यम से प्रशिक्षण वर्ग की कार्यशाला सम्पन्न।

क्रांति समय संवाददाता

भदोही।भाजपा जिला कार्यालय ज्ञानपुर में प्रशिक्षण वर्ग कार्यशाला की बैठक वर्चुअल सभा के माध्यम से संपन्न हुई बैठक में मुख्य रूप से मुख्य अतिथि प्रदेश मंत्री अमर पाल मौर्य उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता जनपद के जिलाध्यक्ष विनय कुमार श्रीवास्तव ने की। इस बैठक की संचालन जिला महामंत्री रमेश पांडे ने की। इस बैठक के मुख्य अतिथि अमरपाल मौर्य ने अपने उद्बोधन में स्पष्ट किया आज हमारा सौभाग्य है भदोही जनपद के कार्यकर्ताओं के साथ संवाद करने का शुभ अवसर प्राप्त हुआ भदोही जनपद अपने शौर्य और पराक्रम से नाम को रोशन किया है जो कि अपने आप में एक ऐतिहासिक धर्म स्थली सीता समाहित स्थल सीतामढ़ी भदोही में स्थापित है। दूसरा भदोही में जिसकी चर्चा भ. ारत से लेकर विदेशों तक कारपेट कालीन नगरी से विख्यात है, अतुलनीय कार्यकर्ताओं के बीच में संवाद करने का शुभ अवसर मुझे प्राप्त हुआ है, मैं अपने आप को भाग्यशाली समझ कर आप लोगों को प्रणाम करता हूं, मुख्य अतिथि ने इस प्रशिक्षण बैठक वर्ग में कुछ विषय पर चर्चा करते हुए पार्टी को दिशा निर्देशित किया, संगठन के प्रति बूथ से लेकर क्षेत्र तक की जवाबदारी बहुत महत्वपूर्ण होती, है सेक्टर में प्रवास कर रहे प्रवासी सेक्टर संयोजक सेक्टर प्रभारी की अहम भूमिका होती है, जिसके बल पर हमारे बूथ अध्यक्ष रणनीति को

बनाकर चुनाव जीतने का काम उन के बल पर किया जाता है, मुख्य अतिथि ने एक बहुत बड़ी बात अपने संबोधन में व्यक्त किया, सपा बसपा और कांग्रेस की तरह, जब घर में बच्चे पैदा होते हैं, तो यह निर्धारित नहीं किया जाता, इनका भविष्य क्या होगा, वह यह निर्धारित करते हैं,सपा के लोग उस बच्चे को जन्म लेने के बाद,इसको मुख्यमंत्री, बनना है, बसपा के लोग यह निर्धारित करते हैं, इसको मुख्यमंत्री पद,और कई पदों पर आसीन होना होगा,और कांग्रेस के लोग कहते हैं, प्रधानमंत्री से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष, का पद इस बच्चे को इस परिवार को दिया जाए, लेकिन यह सब सारी बात भाजपा के संगठन या, भाजपा के कार्यकर्ताओं में भाजपा के परिवार में कभी नहीं सिखाया जाता, ना कभी बतलाया जाता, भाजपा एक विचार धाराओं की पार्टी है, सबका साथ सबका विकास हो, ऐसी भावना रखकर कार्यकर्ताओं के साथ बूथ, से लेकर राष्ट्रीय पथ, की रास्ता तय करती है, और मेहनत करके अपने आप को जनता के बीच में समर्पित कर खड़ी रहती है, जनपद के जिला अध्यक्ष अपने उद्बोधन में कहा अमरपाल ने अपने उद्बोधन में जो कहा, सेक्टर के लिए बूथों के लिए निश्चित ही, बहुत बड़ा टिप्स रहा, उसी पद चिन्हों पर चलते हुए हमारे भदोही के,कार्यकर्ता क्षेत्र के कार्यकर्ता बूथों, के कार्यकर्ता उसका अमल करेंगे,और आने वाले चुनाव में निश्चित तौर से तीनों विधानसभाओं की सीट भारतीय जनता पार्टी के झोली में डालने का काम करेंगे, अध्यक्ष जी ने कार्यकर्ताओं के प्रत पूरे आत्मविश्वास के साथ मुख्य अतिथि को आश्वस्त किया, और कहा मुझे अपने कार्यकर्ताओं पर भरोसा है, हमारे कार्यकर्ता बहुत ही लगन और मेहनत और ईमानदारी के साथ पार्टी के प्रति लगे हैं, उनकी भावनाओं को मैं समझकर आपको आश्वस्त करता हूं, किसी भी तरह की संगठन के प्रति लापरवाही नहीं होगी, संगठन हमारा बिल्कुल मजबूत है, और मजबूत रहेगा, जनपद के लोकप्रिय विधायक रविंद्र त्रिपाठी ने अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि का स्वागत किया और जनपद के जिला अध्यक्ष विनय कुमार श्रीवास्तव का भी आभार प्रकट करते हुए भदोही के तमाम कार्यकर्ताओं जिला पदाधिकारी का आभार प्रकट, किया इसी क्रम में जनपद के जिला महामंत्री रमेश पांडे, संतोष तिवारी, लाल बहादुर मौर्य, लालता सुनकर, सत्य शील गुप्ता, अनिल कुमार मुन्ना, सुरेंद्र नाथ पांडे,प्रभा शंकर, संतोष शुक्ला, राजा गुरु, सुजीत दुबे, आईटी,प्रमुख, संजय मिश्रा समेत कई लोग उपस्थित रहे।

संतानों के दीर्घ, आरोग्य और सुखमय जीवन की आकांक्षाओं का प्रतीक है जिउतिया व्रत।

क्रांति समय संवाददाता

भदोई सीतामढ़ी महर्षि वाल्मीकि गंगा घाट पर महिलाओं ने जिउतिया का व्रत रखकर संतान की सुख समृद्धि और लंबी आयु के लिए व्रत रखती हैं। जिउतिया व्रत अत्यंत ही कठिन होता है। जिसे माताएं पूरी श्रद्धा से व्रत को रखती हैं। कोरोना का कहर भले ही चरम पर हो पर माताओं के अटूट श्रद्धा के आगे

कोरोना भी नतमस्तक नजर आया। वही जिउतिया पर्व पर बाजारों में भी काफी चहल–पहल दिखाई दे रही है। कई महीने बाद बाजारों में फल व मिठाई की सजी दुकानें देखकर हर एक लोगों के चेहरे पर खुशी दिखाई देने लगी है। महिलाएं जिउतिया का व्रत रखकर संतान कि सुख समृद्धि की कामना करती हैं। शास्त्री हनुमान जी का कहना है कि महिलाएं पूजन के लिए जीमूत वाहन की कुशा से निर्मित प्रतिमा को धूप, दीप, चावल, पुष्प आदि अर्पित कर व्रती महिलाएं पूजा करती हैं। इसके साथ ही व्रती महिलाएं मिट्टी तथा गाय के गोबर से चील व सियारिन की प्रतिमा बनाती हैं। जिस के साथ माथे पर लाल सिंदूर का टीका लगाया जाता है। और पूजन समाप्त होने के बाद जिउतिया व्रत की कथा सुनी जाती है। और महिलाएं अपने पुत्र की लंबी आयु, आरोग्य होने की कामना करती हैं। वहीं महिलाएं पूरी विधि विधान से निष्ठा पूर्वक कथा सुनकर ब्राह्मण को दान दक्षिणा देती है।उन्हें

जिउतिया व्रत में पूजन के बाद व्रती महिलाएं विधिवत सुनती है चील और लोमड़ी की कथा,

पुत्र सुख व समृद्धि प्राप्त होती है। वही व्रती महिलाएं सीतामढ़ी महर्षि बाल्मीकि गंगा घाट पर महिलाओं ने गाजे–बाजे के साथ भारी बारिश होने के बावजूद भी महिलाओं ने गंगा घाट पर आकर विधि विधान से पूजन किया। वही मौके पर भीड़ को देखते हुए सीतामढ़ी चौकी इंचार्ज राम आशीष ने पुलिस के साथ घाट पर मौजूद रहे

कारी द्वारा निर्गत दिव्यंगता प्रमाण पत्र में दिव्यांगता का प्रतिशत 40 से कम न हो

क्रांति समय संवाददाता

बहराइच । कोविड–19 एवं बाढ़ राहत कार्य के अनुश्रवण हेतु शासन द्वारा नामित नोडल अधिकारी विशेष सचिव, पंचायती राज, उ.प्र. शासन राकेश कुमार ने एल–2 जिला चिकित्सालय व को. विड एल–1 (महिला) सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, चित्तौरा का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया। निरीक्षण के दौरान श्री कुमार ने चिकित्सकों को निर्देश दिया कि कोरोना महामारी प्रसार के रोक. थाम के दृष्टिगत अपने को सुरक्षित रखते हुए पी.पी.ई. किट पहनकर ही हास्पिटल में प्रवेश करें।

कोविड– एल–1 (महिला) सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, चित्तौरा के निरीक्षण के समय एल–1 प्रभारी डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. मो. आरिफ एवं डॉ. अनुराधा दुबे द्वारा अवगत कराया गया कि यहॉ पर बुधवार को 01 महिला मरीज़ को भर्ती मौजूद चिकित्सक एवं स्टाफ नर्स से भर्ती मरीज़ को दिये गये नाश्ते के बारे में जानकारी करने पर स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी हलांकि बाद में बताया गया कि सुबह 08:10 बजे नाश्ते में चाय व चना दिया गया है। उक्त स्थिति पर नोडल अधिकारी ने कड़ी नाराज़गी व्यक्त करते हुए संक्रमित मरीजों को समय से ठोस नाश्ता एवं पौष्टिकयुक्त भोजन परीक्षण के उपरान्त दिया जाय। श्री कुमार ने यह भी निर्देश दिया कि नाश्ता एवं भोजन गुणवत्तापरक एवं मरीज की डाइट के अनुसार पर्याप्त हो साथ ही पीने हेतु गरम पानी की व्यवस्था की जाय ताकि मरीजों को कोई समस्या न हो। केन्द्र की साफ–सफाई संतोषजनक पायी गयी।

एल0–2 जिला हास्पिटल, बहराइच का निरीक्षण करने पर मौजूद चिकित्सक डॉ. शुभम तिवारी व डॉ. सम्राट द्वारा अवगत कराया गया कि यहॉ पर 200 बेड की व्यवस्था है।

वर्तमान में 33 मरीज भर्ती हैं जिसमें 01 लगभग 06 वर्ष का बच्चा गम्भीर प्रकृति का है तथा हास्पिटल के डॉ. अनुराग सिंह कोरोना संक्रमित होने के कारण यहीं पर भर्ती हैं। चिकित्सकों द्वारा बताया गया कि मरीज़ों को प्रातः नाश्ते में चना एवं चाय दिया गया है।

नोडल अधिकारी ने निर्देश दिया कि गम्भीर मरीज को हा. स्पिटल से रिफर कर दिया जाय। भर्ती मरीजों को समय से पौष्टिक भोजन देने के साथ–साथ ठोस नाश्ता उपलब्ध कराया जाय। चिकित्सक व अन्य कर्मी भी अपने को सुरक्षित रखते हुए पी.पी.ई. किट पहनकर ही हास्पिटल में प्रवेश करें,

प्रतिदिन परिसर की साफ–सफाई एवं सैनिटाइज करायें। निरीक्षण के समय नोडल

नोडल अधिकारी ने कोविड–19 चिकित्सालयों का किया निरीक्षण

अधिकारी के लाइज़न आफिसर पंकज शर्मा भी मौजूद रहे।

दबंग अपराधी ने पी आर वी के प्रभारी बाबा पर किया धारदार हथियार से हमला

क्रांति समय संवाददाता

बहराइच में अपराधियों के हौसले बुलंद होते नजर आ रहे हैं।जिन्हें खौफ न खाकी का है और न कानून का है। मामला थाना जरवलरोड जरवल कस्बा का है। यहां पर जरवल पुलिस चौकी के ठीक बगल ईदगाह में चोरी की

नीयत से घुसे अपराधी ने पुलिस और बाबा पर धारदार हथियार (फरसा) से हमला कर घायल कर दिया है।बाबा की सूचना पर पहुंची पीआरबी पर तैनात पुलिस कर्मी पर धारदार हथियार से हमला कर दिया ।घायल पुलिस कर्मी और बाबा को इलाज के लिए सीएचसी मुस्तफाबाद में भर्ती कराया गया। जहां पर दोनों का इलाज चल रहा है। अपराधी के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया है।

जरवल कस्बा निवासी मुदस्सिर ईदगाह में काफी दिनों से झोपड़ी बनाकर रह रहे थे।सुबह करीब 5:00 बजे चोरी करने की नियत से जरवल कस्बा निवासी नायूब ईदगाह में आकर बाबा के घर में घुसकर चोरी करने लगा। आहट मिलने पर बाबा ने दरवाजे को बाहर से बंद कर दिया। सूचना पर पहुंची पीआरबी ने जब दरवाजा खोला तो अपराधी ने पीआरबी प्रभारी एस.के.सिंह और बाबा मुदस्सिर पर धारदार हथियार से हमला कर घायल कर दिया।

पीआरबी की सूचना पर भारी संख्या में इलाकाई पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर अपराधी को हिरासत में ले लिया।

और उसके खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रत्न कलाकार संघ के प्रमुख ने किया स्युसाइड, तापी नदी से बरामद हुआ शव

सूरत कोरोना महामारी में लॉकडाउन के चलते हजारों रत्न कलाकार बेरोजगार हो गए हैं और आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं।

समस्या से निजात पाने के लिए कई बेरोजगार आत्महत्या

कर चुके हैं।

अब सूरत रत्न कलाकार विकास संघ के प्रमुख जयसुख गजेरा ने आत्महत्या कर ली। ताबी नदी से जयसुख गजेरा का शव बरामद हुआ है।

चर्चा है कि आर्थिक संकट से परेशान होकर जयसुख गजेरा ने तापी नदी में कूदकर अपनी जान दे दी। हांलाकि अब तक जयसुख गजेरा के आत्महत्या करने का कारणों का पता नहीं चलाद्य

जानकारी के मुताबिक देर रात से जयसुख गजेरा किसी के संपर्क में नहीं थे।

जयसुख गजेरा का मोबाइल लगातार बंद होने से परिजनों ने उनकी खोजबीन शुरू की।

लेकिन जयसुख गजेरा की कोई खैर खबर नहीं मिली।

देर रात कामरेज के कठोर ब्रिज के निकट जयसुख गजेरा की मोटर साइकिल और चप्पलें बरामद हुई।

बाद में तापी नदी के किनारे से जयसुख गजेरा का शव बरामद हुआ।

जानकारी है कि देर रात जयसुख गजेरा ने चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स के साथ बातचीत कर रत्न कलाकार विकास संघ के प्रमुख पद से इस्तीफा देने की बात कही थी।

जिसके बाद तापी नदी में कूद कर मौत को गले लगा लिया।

जो जयसुख गजेरा रत्न कलाकारों की समस्या के लिए दौड़ते थे,

वही अपने जीवन हार गए। बताया जाता है कि जयसुख गजेरा की स्थिति इतनी खराब हो चुकी थी कि वह ऑफीस का किराया भी नहीं भर पा रहे थे

लॉकडाउन के कारण जयसुख आर्थिक संकट से जूझ रहे थे।

पत्नी के प्रेमी को दुर्घटना में मारने के प्रयास में प्रेमी की माता की मौत

भरुच जिले के राजपारडी में पत्नी के प्रेमी को मारने के प्रयास में दुर्घटना को अंजाम दिया।

लेकिन घटना में प्रेमी बच गया और उसकी माता की मौत हो गई।

दो पहले हुई इस घटना की जांच कर रही पुलिस ने पुख्ता सबूत मिलने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक भरुच जिले के राजपारडी के सारसा के निकट दो महीने पहले 4 जुलाई को बोलेरो पिक वैन से बाइक सवार को उड़ा दिया था।

इस हादसे में बाइक चालक और उसकी पुत्री बाल बाल बच गएद्य जबकि बाइक चालक की माता की घटना. स्थल पर ही मौत हो गई थी।

राजपारडी पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दीद्य जांच में बोलेरो का चालक सरसाड गांव निवासी अशोक उर्फ विष्णु जीतु वसावा होने का पता चलते ही उसे गिरफ्तार कर लिया।

जांच में पता चला कि अशोक की पत्नी का मृतक महिला के पुत्र दिनेश वसावा के साथ प्रेम संबंध थे।

अशोक ने दिनेश को रास्ते हटाने के लिए साजिश रची।

गत 4 जुलाई को दिनेश अपनी पुत्री देविका और माता वनिताबेन के साथ मोटर साइ. किल पर राजपारडी से सरसाड जा रहे थे।

उस वक्त अशोक ने अशोक की मोटर साइकिल को उड़ा दिया। इस घटना में दिनेश और उसकी पुत्री घायल हो गई।

जबकि दिनेश की माता वनिताबेन की घटनास्थल पर मौत हो गई।

जांच में पता चला कि अशोक पहले भी तीन दफा मारुति वैन और छोटा हाथी से उड़ाकर घटना को दुर्घटना में खपाने का प्रयास किया था।

भाजपा नेता की कार पर अज्ञात शख्सों ने की फायरिंग

सुरेन्द्रनगर जिला भाजपा ने जीणाभाई डेडवारिया की कार पर बीती रात अज्ञात शख्स फायरिंग कर फरार हो गए।

इस घटना में जीणाभाई को कोई नुकसान नहीं हुआ।

भाजपा नेता की शिकायत पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है।

जानकारी के मुताबिक सुरेन्द्रनगर में भारी बारिश से

किसानों को हुए नुकसान के लिए जल्द सहायता देने की पेशकश करने गांधीनगर गए थे।

गांधीनगर से देर जीणाभाई अपनी कार में सुरेन्द्रनगर के चो. टीला स्थित अपने घर लौट रहे थे।

उस वक्त सुरेन्द्रनगर के चूडा के निकट नवी मोरवाड रोड पर एक्टिवा पर आए तीन शख्सों में से एक ने जीणाभाई की कार पर तीन राउंड फायरिंग की और फरार हो गए।

हांलाकि इस घटना में जीणाभाई को कोई नुकसान नहीं पहुंचाद्य जीणाभाई की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

बता दें कि जीणाभाई डेडवारिया ने वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के मौजूदा विधायक ऋत्विक मकवाणा के खिलाफ चुनाव लड़ा था, जिसमें वह हार गए थे।

नवरात्रि में गरबा आयोजन को मंजूरी देने पर विचार कर रही गुजरात सरकार

अहमदाबाद आगामी नवरात्रि पर्व पर रास–गरबा के आयोजन को छूट देने पर गुजरात सरकार विचार कर रही है। कोरोना संकट के बीच नवरात्रि पर रास–गरबा के आयोजन को लेकर संशय बरकरार है।

ऐसे में उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने कहा है कि जरूरत के मुताबिक नवरात्रि में गरबा आयोजन को छूट देने को सरकार तैयार है।

सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के मुताबिक राज्य सरकार नवरात्रि में कितने समय के लिए छूट दे सकती है, इस पर विचार कर रही है। नितिन पटेल ने कहा कि स्कूलें शुरू करने के बारे में भारत सरकार की गाइडलाइन फिलहाल स्पष्ट नहीं है और सरकार ने इस संदर्भ में कोई विचार भी नहीं किया। लेकिन सरकार नवरात्रि के आयोजन पर विचार जरूर कर रही है। संभव हो उतनी नवरात्रि पर छूट दिए जाने पर सरकार विचार कर रही है।

इस संदर्भ में सूरत के एक गरबा आयोजक ने कहा कि सरकार मंजूरी देती भी है तो हमें जो तैयारियां करनी पडेगी उसमें भी कई समस्याएं सामने आएंगी। ऑरकेस्ट्रा का बुकिंग, पार्टी प्लाट का बुकिंग और साउन्ड इत्यादि का आयोजन करना अब संभव नहीं है। क्योंकि इसकी समयसीमा खत्म हो चुकी है।

यदि सरकार मंजूरी भी दे देती है तो गरबा आयोजकों के लिए आयोजन करना मुश्किल होगा। दूसरी ओर लोगों में का. रोना की दहशत है और खुलकर रास–गरबा में शामिल नहीं होंगे। अन्य एक आयोजक ने कहा कि गरबा आयोजन के लिए तीन से चार महीने लगते है। यदि सरकार समय रहते इस पर फैसला करती है तभी आगामी नवरात्रि में रास–गरबा का आयोजन संभव है।

कपराडा उपचुनाव से पहले भाजपा के 400 कार्यकर्ता कांग्रेस में शामिल

अहमदाबाद गुजरात में विधानसभा के उपचुनाव से पहले भाजपा को बड़ा झटका लगा है। भाजपा के 400 से ज्यादा कार्यकर्ता आज कांग्रेस में शामिल हो गए।

राज्यसभा चुनाव से पहले कांग्रेस विधायक जीतु चौधरी के इस्तीफे से कपराडा विधानसभा सीट रिक्त हुई थी।

कपराडा समेत राज्य की 8 सीटों पर उपचुनाव होने हैं।

हांलाकि फिलहाल उप चुनाव का ऐलान नहीं हुआ और उससे पहले भाजपा के 400 से अधिक कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस का हाथ थाम लिया है।

गुजरात प्रदेश कांग्रेस प्रमुख अमित चावड़ा ने भा. जपा छोड़ कार्यकर्ताओं को पार्टी में स्वागत किया

बता दें कि गुजरात में राज्यसभा की 4 सीटों पर चुनाव के ऐलान के बाद कांग्रेस के 8 विधायकों ने इस्तीफा दे दिया था।

8 विधायकों के इस्तीफे की वजह कांग्रेस केवल एक ही सीट जीत सकी और भाजपा ने तीनों सीटों पर कब्जा कर लिया।

भारत पीएम मोदी के नेतृत्व में कोरोना से सुनियोजित लड़ाई लड़ रहाः शाह

गांधीनगर । कोरोना को एक अभूतपूर्व चुनौती करार देकर केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने

बृहस्पतिवार को कहा कि भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वैश्विक महामारी के खिलाफ एक सुनियोजित लड़ाई लड़ रहा है।

शाह ने लोगों से वायरस का टीका आने तक सभी एहतियाती कदम उठाने की अपील की। उन्होंने कहा, कोरोना एक अभूतपूर्व चुनौती है।

लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम इससे सुनियोजित तरीके से निपट रहे हैं और पूरे विश्व ने हमारे प्रयासों की सराहना भी की है।"

गांधीनगर से लोकसभा सांसद शाह ने 134 करोड़ रुपये कीविभिन्न परियोजनाओं को उद्घाटन किया या उनकी नींव रखी।

शाह ने कहा कि कोरोना के कारण गांधीनगर में विकास कार्य धीमे पड़े हैं लेकिन वैश्विक महामारी ज्यादा समय तक गुजरात या भारत को आगे बढ़ने से रोक नहीं पाएगी। शाह हाल ही में कोरोना वायरस से उबरे हैं।

कोरोना मरीजों की उपचार करनेवाले 64 डॉक्टर संक्रमित

अहमदाबाद शहर में कोरोना मरीजों की उपचार करने वाले 64 जितने डॉक्टर कोरोना की चपेट में आ गए हैं।

ये डॉक्टर अहमदाबाद मह. नगर पालिका संचालित अस्पताल के हैं, जो मरीजों का उपचार करते करते स्वयं कोरोना के मरीज हो गए हैं।

अहमदाबाद के शारदाबेन अस्पताल, लल्लूभाई गोरधनदास (एलजी) अस्पताल और सरदार वल्लभभाई पटेल (एसवीपी) के डॉक्टरों की जांच में सभी कोरोना संक्रमित पाए गए।

एसवीपी के 30, एलजी अस्पताल के 26 और शारदाबेन अस्पताल के 8 डॉक्टर शामिल हैंद्य डॉक्टरों के कोरोना संक्रमित होने से महानगर पालिका प्रशासन में भी हड़कम्प मच गया है।

सबसे अधिक कोरोना संक्रमित एसवीपी अस्पताल के हैं।

कोरोना संक्रमित होनेवाले ज्यादातर डॉक्टर रेसिडेंट डॉक्टर हैं।

कोरोना वॉरियर्स के रूप में लगातार मरीजों के उपचार में डटे रहे डॉक्टरों के कोरोना संक्रमित होने से अहमदाबाद महानगर पालिका संचालति अस्पतालों की चिंता बढ़ गई है।

एसवीपी अस्पताल के 4 डॉक्टर ऐसे जिन्हें कोरोना ने दोबारा गिरफ्त में लिया है।

मरीजों के उपचार में जुटे डॉक्टरों को समय समय पर कोविड टेस्ट किया जाता है और हाल ही में किए गए टेस्ट में रिपोर्ट पॉजिटिव आई है।

कृषि क्षेत्र के सर्वग्राही विकास के लिए मुख्यमंत्री ने की 'सात पगला खेडूत कल्याण ना' योजना की ई–लॉन्चिंग

अहमदाबाद मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने किसानों और कृषि क्षेत्र के विकास की प्रतिबद्धता के साथ'सात पगला खेडूत कल्याण ना' (सात कदम कृषि कल्याण के) योजना का ई–शुभारंभ करते हुएसंकल्प जताया कि इन सात कदमों की नीव से सर्वग्राही विकास की लंबी छलांग लगानी है। गुरुवार को गांधीनगर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए राज्य सरकार के कृषि, किसान कल्याण और सहकारिता विभाग के तत्वावधान में राज्य के सभी 33 जिलों के 80 स्थ. ानों पर आयोजित 'सात पगला कृषि कल्याण ना' योजना के ई–लॉन्चिंग अवसर पर उन्होंने यह बात कही।

इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि राज्य के संतुलित विकास के लिए कृषि, उद्योग औरसेवा जैसे क्षेत्रों के विकास में नए संसाधनों और आधुनिक खेती के तरीकों के साथ गुजरात विकास का एक अनोखा रोल मॉडल बना है। इस योजना के तहत कृषि–खेतीबाड़ी और किसानों के आर्थिक उत्थान के साथ नवीन फसल उत्पादन, फसल भंडारण, लघु और सीमांत किसानों को उन्नत उपकरणों का वितरण, गाय आधारित खेती, किसान परिवहन योजना और मुख्यमंत्री फसल भंडारण संरचना योजना जैसे किसानहितैषी सात कदमों को शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री ने आज इनमें से दो महत्वपूर्ण कदम 'मुख्यमंत्री फसल भंडारण संरचना (गोदाम) योजना' और 'किसान परिवहन योजना' का शुभारंभ किया। 'मुख्यमंत्री फसल भंडारण सं. रचना योजना' के तहत राज्य सरकार पूरे राज्य मेंकिसानों को ऐसे गोदाम बनाने के लिए 30 हजार रुपए की अधिकतम सहायता प्रदान करेगी। किसान परिवहन योजना शुरू करने का मकसद यह है कि किसान अपनी उपज को आसानी से दूसरे बाजारों में पहुंचाकर अधिक आय अर्जित कर सके। सरकार इस योजना के तहत किसानों को छोटे वाहनों की खरीद के लिए अधिकतम75 हजार रुपए की सहायता प्रदान करती है। राज्य में 1 लाख 16 हजार किसानों को मुख्यमंत्री फसल भंडारण संरचना योजना एवं 8,400 किसानों को किसान परिवहन योजना का लाभ उपलब्ध कराकर एक ही दिन में राज्य सरकार ने 1 लाख 25हजार किसानों को 400 करोड़ रुपए की सहायता राशि प्रदान की है। इस सहायता के परिणामस्वरुप आने वाले तीन महीनों में राज्य के किसानों के गोदामों में लगभग23लाख टन अनाज की भंडारण क्षमता बढ़ेगी साथ ही फसल की बर्बादी को भी रोका जा सकेगा। यही नहीं, किसान परिवहन योजना के तहत लाभार्थी किसान अपने छोटे वाहन के जरिए उपज को बाजार में बेच आर्थिक समृद्धि के मार्ग पर अग्रसर हो सकेंगे। रूपाणी ने गांधीनगर में प्रतीक के रूप में पांच लाभार्थियों को इस सहायता के चेक वितरित किए।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि यह किसान, गांव, गरीब, पीड़ित और शोषितों के हितों की रक्षा करने वाली सरकार है। हम 'जो कहना, वो करना' की कार्यसंस्कृति विकसित कर हर मुश्किल समय में किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे हैं। हम किसानों के नाम पर मगरमच्छ के आंसू बहाने वाले या राजनीति के दांव–पेंच खेलने वालों में से नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अतीत में कांग्रेस के शासनकाल में किसानों को फसल बीमा के लिए आंदोलन करना पड़ता था और गोलियां खानी पड़ती थीं। यही नहीं, 18 फीसदी जितनी ऊंची ब्याज दर पर कर्ज लेने से किसान कर्ज की चपेट में आकर बर्बाद हो जाता था। समर्थन मूल्य पर फसल की खरीदी भी नहीं होती थी और किसान लाचार बना रहता था। उन्होंने कहा कि बिजली का कनेक्शन हो या यूरिया खाद हो, पहले किसानों को इसके लिए लंबे समय तक इंतजार करना पड़ता था।

पिछले दो दशकों में भारतीय जनता पार्टी की सरकारों ने इस तस्वीर को बदल दिया है। अब किसान को समय पर खाद और 8 से 10 घंटे बिजली मिलती है। उन्होंने आगामीदिनों में दिनकर योजना के तहत किसानों को दिन के दौरान भी बिजली उपलब्ध करने का संकल्प व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस सरकार ने किसानों को शून्य फीसदी ब्याज पर ऋण दिया है।

15 हजार करोड़ रुपए की उपज समर्थन मूल्य पर खरीद कर किसानों को बल दिया है। अब सात कदम किसान कल्याण के योजना के जरिएकिसान को दुनिया की भूख शांत कर सकने में सक्षम बनाना है। रूपाणी ने 'हर खेत को पानी, हर हाथ को काम' की संकल्पना को साकार करते हुए सौराष्ट्र के 115 जलाशयों में सौराष्ट्र नर्मदा अवतरण सिंचाई योजना(सौनी)योजना के माध्यम से नर्मदा का जल मुहैया कराकर और उत्तर गुजरात में सुजलाम सुफलाम योजना के माध्यम से सूखी धरा को भी हरी–भरी बनाकर प्रचुर फसल उगाते हुए किसानों को अनार और आलू की खेती से डॉलर अर्जित करने योग्य बनाने की मंशा व्यक्त की। उन्होंने किसान समृद्धि से गांव, नगर, शहर और राज्य की समृद्धि का विचार देते हुए कहा कि गरीब, किसान, छोटे व्यापारी एवं कारीगरों जैसे सामान्य लोगों को संसाधनों पर पहले हक दिया है। उन्होंने कहा कि कोरोना के समय में लोकडाउन के दौरान भी किसानों के हितों की चिंता करते हुए कृषि उपज विपणन समितियों में फसल खरीदी,खेतों में पानी छोड़ने की छूटदेते हुए किसानों और खेती को रुकने नहीं दिया था। उन्होंने कहा कि इस वर्ष प्रकृति गुजरात पर मेहरबान हुई है और अच्छी बारिश हुई है, ऐसे में किसान सर्दियों और ग्रीष्मकालीन फसलों का रिकॉर्ड तोड़ उत्पादन कर गुजरात को कृषि क्रांति का भी रोल मॉडल बनाएं।

मुख्यमंत्री ने हाल ही में हुई बारिश के चलतेखरीफ फसल को हुए नुकसान को लेकर राज्य सरकार के किसानों के साथ खड़ी होने का भरोसा देते हुए कहा कि सरकार नुकसान का सर्वे करवा रही है और उसके आधार पर किसानों को जल्द ही नुकसान का मुआवजा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अपेक्षा जताई कि मुख्यमंत्री फसल भंडारण संरचना योजना में सहायता प्राप्त करने वाले किसान अब अपनी उपज को योग्य तरीके से संग्रह कर उसका लाभकारी मूल्य हासिल कर सकेंगे।

क्रांति समय

स्पेशल ऑफर

अपने बिज़नेस को बढ़ाये हमारे साथ

ADVERTISEMENT WITH US

सिर्फ 1000/- रु में

(1 महीने के लिए)

संपर्क करे

गुजरात में लगातार दूसरे स्वस्थ होनेवालों की संख्या 1400 से ज्यादा

अहमदाबाद कोरोना कहर के बीच गुजरात में लगातार दूसरे दिन नए केसों के मुकाबले रिकवरी रेट अधिक रही हैद्य राज्य में आज 1332 नए केस सामने आए हैं, जबकि 1415 लोगों को डिस्चार्ज किया गया हैद्य 24 घंटों में कोरोना और 15 मरीजों को निगल गया। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक 24 घंटों में सूरत कॉर्पोरेशन में 176, अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 148, सूरत में 102, राजकोट कॉर्पोरेशन में 96, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 84, जामनगर कॉर्पोरेशन में 80, राजकोट में 54, वडोदरा में 40, भावनगर कॉर्पोरेशन में 34, पाटन में 31, अमरेली में 30, भावनगर में 30, पंचमहल में 30, मोरबी में 27, जामनगर में 25, मेहसाणा में 25, भरुच में 24, सुरेन्द्रनगर में 24, महीसागर में 21, गांधीनगर में 20, कच्छ में 20, अहमदाबाद में 19, जूनागढ़ में 19, दाहोद में 18, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 18, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 18, गिर सोमनाथ में 15, बोटाद में 14, नवसारी में 11, छोटाउदेपुर में 10, खेडा में 10, साबरकांठा में 10, बनासकांठा में 9, नर्मदा में 8, पोरबंदर में 8, आणंद में 7, तापी में 7, देवभूमि द्वारका में 5, अरवल्ली में 3 और वलसाड में 2 समेत राज्यभर में कुल 1332 कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हुए हैं।

जबकि 1415 लोग कोरोना को मात देकर ठीक हो चुके हैं

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)